वर्ष : 34 | अंक : 353 | मुंबई, रविवार, 1 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भारत ने एडवाइजरी जारी की

हालात को देखते हुए भारत सरकार ने शनिवार को ईरान और इजराइल समेत खाड़ी देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर घरों में रहने की अपील की है। ईरान, इजराइल समेत यूएई, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन और फिलिस्तीन में भारतीय दूतावासों ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। जॉर्डन में भारतीय पर्यटकों को संभावित उड़ान बाधा से पहले देश छोड़ने की भी सलाह दी गई है। एअर इंडिया और इंडिगो ने हमले के बाद मिडल ईस्ट अपने फ्लाइट ऑपरेशंस को भी रोक दिया है। एयरस्पेस बंद होने के चलते एअर इंडिया ने अपनी दिल्ली-तेल अवीव फ्लाइट मुंबई डायवर्ट कर दी। वहीं, इंडिगो की तिरुचिरापल्ली-दुबई फ्लाइट वापस लौट आई हैं। वहीं, डायरक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन(DGCA) ने एयरलाइंस को 2 मार्च तक ईरान, सऊदी अरब, UAE समेत 11 देशों के एयरस्पेस से बचने की सलाह दी। इनमें ईरान, इजराइल, लेबनान, UAE, सऊदी अरब, बहरीन, ओमान, इराक, जॉर्डन, कुवैत और कतर शामिल हैं।

"हथियार डालो या मौत चुनो।"
-डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

"हम ऐतिहासिक सबक सिखाएंगे।"
-अली खामेनेई, ईरान लीडर

10 शहरों पर एयरस्ट्राइक

इजराइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के 10 शहरों पर एयरस्ट्राइक की है। हमले के बाद ट्रम्प ने वीडियो जारी कर कहा कि ईरान पर यह हमला अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए किया गया है।

पश्चिम एशिया में जंग

एजेंसी | तेहरान

इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर बड़ा हमला किया। ईरानी न्यूज एजेंसियों ने बताया कि दक्षिणी ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 85 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं। दोनों के प्रमुख निशाने पर ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई थे। हालांकि, हमले में खामेनेई बच गए हैं। ईरान पर हुए इस हमले की चीन समेत कई देशों ने निंदा की है।

- अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर किया एयर स्ट्राइक
- ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजरायल और सात अन्य देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर किया हमला
- 85 स्कूली छात्राओं की मौत

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम 'लियोनस् रोर' (शेर की दहाड़) रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

दुबई में बुर्ज खलीफा खाली कराया गया

ईरान पर इजराइल और अमेरिका की स्ट्राइक के बीच दुबई की मशहूर और दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को खाली करा दिया गया है। यहां धमाकों की आवाज सुनी गई थी। हमले के बाद दुबई के सभी एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया है। यहां से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दी गई हैं। पैसेंजर्स को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट न जाएं और लेटेस्ट फ्लाइट शेड्यूल अपडेट के लिए सीधे अपनी एयरलाइंस से पता करें।

ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं

जवाब में ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व UAE में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने UAE के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया।

अमेरिका-इजरायल का हमला पूरी तरह गैर कानूनी : अराघची

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और इजरायल का हमला पूरी तरह से गैर-कानूनी है। यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इसकी निंदा की जानी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुलाई आपात बैठक

पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद बढ़ते संघर्ष को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई है। संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों के अनुसार 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की बैठक न्यूयॉर्क में स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम 4 बजे यानी भारतीय समयानुसार रविवार सुबह तीन बजे आयोजित होगी। इसकी अध्यक्षता ब्रिटेन करेगा। रूस के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने बताया कि रूस और चीन ने इस बैठक की मांग अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर की है। फ्रांस, बहरीन और कोलंबिया ने भी बैठक बुलाने का समर्थन किया है।

घुसपैठियों के खिलाफ 'कोम्बिंग ऑपरेशन'

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में एक विशेष टास्क फोर्स का गठन

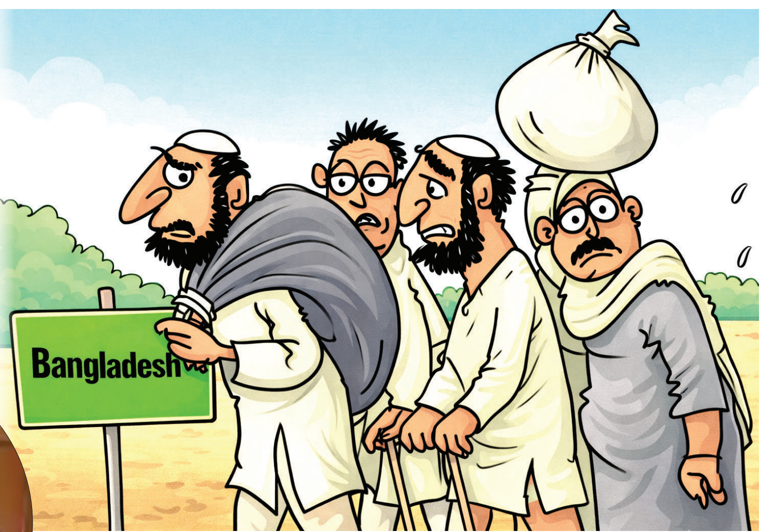

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ दी है। गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने विधान परिषद में घोषणा की है कि मुंबई सहित पूरे राज्य में संदिग्धों की पहचान के लिए विशेष 'कोम्बिंग ऑपरेशन' चलाया जाएगा। इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में एक विशेष 'टास्क फोर्स' तैनात की जा रही है। यह टास्क फोर्स मुख्य रूप से झुग्गी-झोपड़ियों, संवेदनशील क्षेत्रों और बड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करेगी, ताकि अवैध रूप से रह रहे लोगों को खोज निकाला जा सके।

बोगस दस्तावेजों के खेल पर प्रवीण दरेकर का कड़ा प्रहार

सदन में इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि मुंबई के विभिन्न हिस्सों में लगभग 3,014 संदिग्ध घुसपैठिए पाए गए हैं, जिन्हें स्थानीय एजेंटों की मदद से फर्जी आधार कार्ड और सरकारी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दरेकर ने चिंता व्यक्त की कि इन घुसपैठियों के कारण स्थानीय मराठी और हिंदू समाज के लोगों को अपने ही व्यापार और रोजगार से हाथ धोना पड़ रहा है।

ठेकेदारों और बिल्डरों पर सख्त नकेल

जांच में यह सामने आया है कि मुंबई के बड़े निर्माण प्रोजेक्ट्स में बांग्लादेशी मजदूर काम कर रहे हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने अब नई एसओपी लागू की है, जिसके तहत सभी सरकारी और निजी ठेकेदारों के लिए अपने मजदूरों की पूरी जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि कोई ठेकेदार इस जानकारी को छुपाता है, तो उसके खिलाफ सीधे आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इस सख्ती के कारण अवैध मजदूरों की संख्या में 60 से 70 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।

आंकड़ों में हद्दपारी : साल-दर-साल बढ़ती कार्रवाई

सदन में प्रस्तुत किए गए आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई में अभूतपूर्व तेजी आई है। साल 2021 में जहाँ केवल 109 लोगों को डिपोर्ट किया गया था, वहीं 2023 में यह संख्या 127 और 2024 में 202 रही। लेकिन साल 2025 में सरकार की सख्ती का असर साफ दिखा, जहाँ यह आंकड़ा बढ़कर 2,376 के पार पहुँच गया है।

20 करोड़ की लागत से बनेगा राज्य का पहला 'डिटेन्शन सेंटर'

पकड़े गए घुसपैठियों को रखने की समस्या को हल करने के लिए महाराष्ट्र का पहला स्थायी 'डिटेन्शन सेंटर' (हिरासत केंद्र) बनकर तैयार होने वाला है। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। इसके अलावा, मुंबई के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में पांच सदस्यों की एक विशेष टीम बनाई गई है, जो एटीएस (ATS) और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। मंत्री कदम ने गर्व से बताया कि साल 2025 में अब तक 2,376 से अधिक घुसपैठियों को वापस भेजा जा चुका है, जो देश में सबसे बड़ी कार्रवाई है।

मंत्री के बार में ही मिलीं बांग्लादेशी महिलाएं

मुंबई विधान परिषद में शनिवार को उस समय तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जब शिवसेना (UBT) के विधायक अनिल परब और गृह राज्यमंत्री योगेश कदम के बीच 'बांग्लादेशी घुसपैठ' और 'डांस बार' को लेकर सीधा टकराव हो गया। मामला तब और गंभीर हो गया जब परब ने सीधे मंत्री के स्वामित्व वाले (कथित तौर पर) डांस बार में अवैध नागरिकों के पकड़े जाने का सनसनीखेज आरोप लगाया। अनिल परब ने विस्फोट करते हुए दावा किया कि पुलिस की छापेमारी में जिस डांस बार से बांग्लादेशी महिलाएं पकड़ी गई थीं, वह सीधे एक राज्यमंत्री (योगेश कदम) से जुड़ा हुआ है। परब ने तीखा सवाल किया कि जब रक्षक के ही ठिकानों पर ऐसे लोग मिलेंगे, तो हम न्याय और सुरक्षा की उम्मीद किससे करें?

गिग वर्कर्स के लिए बनेगा सामाजिक सुरक्षा बोर्ड

महाराष्ट्र के श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने विधानसभा में किया एलान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में शनिवार को महायुति सरकार ने 'न्यू इकोनॉमी' के रीढ़ कहे जाने वाले गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स (जैसे जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर के डिलीवरी पार्टनर्स) के लिए एक ऐतिहासिक सुरक्षा चक्र का खाका पेश किया है। श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने साफ कर दिया है कि अब ये श्रमिक केवल 'पार्टनर' नहीं कहलाएंगे, बल्कि सरकारी सुरक्षा के हकदार होंगे। इसके लिए महाराष्ट्र की महायुति सरकार जल्द ही 'गिग' और 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' के लिए एक समर्पित सामाजिक सुरक्षा बोर्ड स्थापित करने जा रही है। विधानसभा में श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने बताया कि केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के तहत यह कदम उठाया जा रहा है, जिसका क्रियान्वयन 21 नवंबर 2025 से शुरू हो चुका है। इस कानून के आने से पहली बार जोमैटो, स्विगी, ओला और उबर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से जुड़े लाखों 'पार्टनर्स' को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे उन्हें अब तक मिलने वाले 'अस्थायी कर्मचारी' के बजाय एक सुरक्षित भविष्य का आधार मिलेगा।

कौन हैं ये वर्कर्स और क्यों थी सुरक्षा की जरूरत?

गिग वर्कर्स वे श्रमिक हैं जो अस्थायी रूप से काम करते हैं, जबकि प्लेटफॉर्म वर्कर्स डिजिटल माध्यमों से सेवाएं प्रदान करते हैं। अब तक इन वर्कर्स को कंपनियों द्वारा केवल 'बिजनेस पार्टनर' माना जाता था, जिससे वे कर्मचारी भविष्य निधि या बीमा जैसे लाभों से वंचित थे। 31 दिसंबर 2025 को मुंबई में लगभग 10 हजार डिलीवरी बॉयज की हड़ताल ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर किया था। विधायक अतुल भातखलकर और हेमंत ओगले द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि नया कानून इन कामगारों को ₹कर्मचारी₹ जैसा दर्जा और सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। श्रम मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के माध्यम से इन कामगारों को व्यापक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसमें जीवन और दिव्यांगता बीमा, स्वास्थ्य एवं मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा (पेंशन) और बच्चों के लिए शिक्षा सहायता शामिल है।

ब्रीफ न्यूज़

खेल मैदानों में महिला खिलाड़ियों हेतु कंटेनर शौचालय-चेंजिंग रूम

मुंबई। खेल मैदानों में महिला खिलाड़ियों को होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसके तहत स्थायी निर्माण की अनुमति न होने वाले ओवल जैसे मैदानों पर कंटेनर शौचालय और मोबाइल चेंजिंग रूम उपलब्ध कराए जाएंगे। विधान परिषद में नगर राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने शिवसेना (उद्धव) विधायक मिलिंद नार्वेकर के सवाल का जवाब देते हुए बताया कि राज्य के सभी खेल परिसरों और मैदानों की सुविधाओं का जायजा लेने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दस्ता (SIT) गठित किया गया है, जो गूगल मैपिंग के जरिए मौजूदा स्थिति और आवश्यक बजट का अध्ययन करेगा।

बिना लाइसेंस-परमिट वाहन चलाने वालों पर सख्ती

मुंबई। महाराष्ट्र में बिना परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा और लाइसेंस के चल रहे अवैध यात्री वाहनों पर नकेल कसने के लिए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 1 मार्च 2026 से पूरे राज्य में एक विशेष आरटीओ (RTO) अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि क्षमता से अधिक सवारी बैठाने और नियमों की अनदेखी करने वाले ये वाहन न केवल सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाते हैं, बल्कि इनके पास वैध बीमा न होने के कारण हादसे की स्थिति में यात्रियों को मुआवजा मिलना भी असंभव हो जाता है।

फूड डिलीवरी बॉयज पर सरकार सख्त

- ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों के लिए पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य
- नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसी ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों के लिए अब अपने डिलीवरी पार्टनर्स का पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कंपनियां इस नियम का पालन नहीं करेंगी, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा में सुरक्षा-पारदर्शिता का मुद्दा

यह मुद्दा विधायक भीमराव तापकीर द्वारा सदन में उठाया गया था। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या स्विगी, जोमैटो और अमेज़न जैसी कंपनियों के डिलीवरी बॉयज के लिए पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य करने के लिए कोई सर्कुलर जारी किया जाएगा? तापकीर ने यह भी मांग की कि यदि कोई कंपनी बिना वेरिफिकेशन के कर्मचारी रखती है, तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया कि जब कोई ग्राहक भोजन ऑर्डर करे, तो संबंधित ऐप पर डिलीवरी पार्टनर का वेरिफिकेशन स्टेटस और पूरी जानकारी स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए।

थर्ड पार्टी भर्ती के नाम पर नहीं बचेंगी कंपनियां

विधायक के सवालों का वाब देते हुए श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने कहा कि वर्तमान में ये कंपनियां तीसरे पक्ष के माध्यम से विज्ञापन देकर और ऑनलाइन आवेदन के जरिए डिलीवरी पार्टनर्स की भर्ती करती हैं। कंपनियों और कर्मचारियों के बीच यह करार अक्सर 'पार्टनरशिप' के नाम पर होता है, जिसकी आड़ में कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल की कुछ अप्रिय घटनाओं के बाद गृह विभाग से सुझाव मांगे गए थे, जिसके बाद श्रम विभाग ने चरित्र सत्यापन को अनिवार्य करने की सिफारिश की है।

अजित पवार विमान हादसा

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी

- पहले पेड़ों से टक्कर, फिर रनवे से 50 मीटर दूर हुआ क्रैश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती में प्लेन क्रैश मामले पर एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो ने पहली रिपोर्ट जारी कर दी है। इसमें बताया गया है कि एयरपोर्ट में कई तरह की कमियां हैं। विमान हादसे की तह तक जाने के लिए जांच एजेंसियों ने तकनीकी साक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया है। फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है, जिसका विश्लेषण वर्तमान में जारी है। वहीं, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के डेटा को नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड की तकनीकी सहायता से डाउनलोड किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के कड़े नियमों के तहत की जा रही है।

मौसम और एयरफील्ड की चुनौतियां

प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार, दुर्घटना के समय मौसम और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई कमियां सामने आई हैं। बारामती एक 'अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड' है जहाँ केवल विजुअल फ्लाइट रूल्स (VFR) के तहत ही संचालन संभव है। क्रैश के वक्त दृश्यता (Visibility) मात्र 3 किमी थी, जबकि सुरक्षित उड़ान के लिए कम से कम 5 किमी की आवश्यकता होती है।

उद्यानों की सुरक्षा के लिए पूर्व सैनिकों की होगी तैनाती

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उद्यानों में नशेड़ियों के बढ़ते जमावड़े और असामाजिक तत्वों के कारण पैदा हो रही असुरक्षा को देखते हुए राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री शंभूराज देसाई ने घोषणा की कि अब मुंबई शहर और उपनगरों के उद्यानों की सुरक्षा के लिए पूर्व सैनिकों को तैनात किया जाएगा। पूर्व सैनिक अपने अनुशासन, शारीरिक सक्षमता और सुरक्षा प्रबंधन के अनुभव के कारण इन उद्यानों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अधिक प्रभावी साबित होंगे।

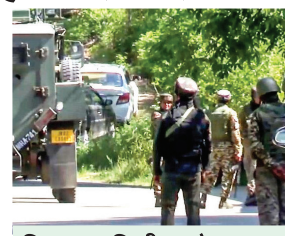

विधायक दिलीप और अन्य सदस्यों ने उठाया मुद्दा

शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक दिलीप लांडे ने चांदीवली क्षेत्र सहित कई उपनगरीय उद्यानों की बदहाली का मुद्दा सदन में रखा था। रात के समय इन उद्यानों में नशेड़ियों के कब्जे, गंदगी और टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

खबर पक्की है | **मुंबई-पुणे एक्सप्रेस पर 36 घंटे की जाम के बाद सरकार सख्त**

जाम से निपटने के लिए 'एयरलिफ्ट' पर विचार

- घातक रसायनों के परिवहन के लिए बनेगी एसओपी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर गैस टैंकर पलटने से लगे लंबे जाम को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी स्थितियों में लोगों को निकालने या राहत पहुँचाने के लिए 'एयरलिफ्ट' (हेलीकॉप्टर के उपयोग) की संभावनाओं का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अध्ययन कर रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने रात में हेलीकॉप्टर उड़ाने की तकनीकी सीमाओं का भी जिक्र किया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुरक्षा और आसान यात्रा के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जाएगा।

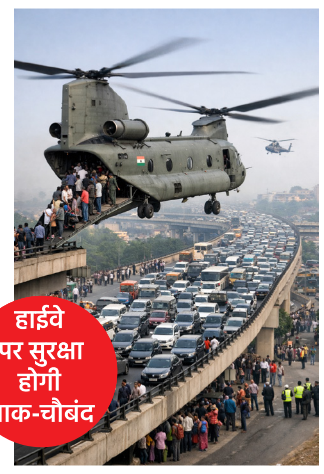

हाईवे पर सुरक्षा होगी चाक-चौबंद

खतरनाक परिवहन पर सख्त एसओपी

राजमार्गों पर जोखिम भरे और ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार ने एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विधायक अमित साटम और आदित्य ठाकरे सहित अन्य सदस्यों द्वारा उठाए गए सुरक्षा संबंधी सवालों के जवाब में सरकार ने बताया कि अब 'खतरनाक पदार्थ प्रतिक्रिया इकाइयाँ' स्थापित की जाएंगी। इसके साथ ही, अग्निशमन प्रणाली को और मजबूत किया जाएगा ताकि गैस रिसाव या आग जैसी दुर्घटनाओं पर तुरंत काबू पाया जा सके।

डिजिटल अलर्ट और रियल-टाइम सूचना तंत्र

दुर्घटना के बाद लगने वाले जाम से यात्रियों को बचाने के लिए सरकार ने सूचना तकनीक के बेहतर इस्तेमाल की योजना बनाई है। अब राजमार्गों पर डिजिटल साइन बोर्ड, एसएमएस अलर्ट और डिजिटल नोटिफिकेशन की सुविधा को उन्नत किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि वाहन चालकों को दुर्घटना या जाम की जानकारी समय रहते मिल जाए, ताकि वे वैकल्पिक मार्गों का चयन कर सकें। परिवहन कंपनियों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्वयं के आपातकालीन प्रोटोकॉल तैयार रखें।

आंखों में सपने लिए सड़क पर सो रहा है भविष्य

मीरा-भाईंदर मनपा के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से एमबीएमसी की हुई किरकिरी

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

कड़कड़ाती ठंड और ओस की बूंदों के बीच, मीरा भाईंदर की सड़कों पर बिछी चादरें किसी हार की कहानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की हार बयां कर रही हैं।

देश की सेवा का जज्बा और सीने में 'खाकी' पहनने का जुनून लेकर आए हजारों अभ्यर्थी आज फुटपाथ पर सोने को मजबूर हैं। जिन कंधों पर कल सुरक्षा की जिम्मेदारी होगी, आज वही कंधे अपनी थकान मिटाने के लिए पथरीली जमीन का सहारा ले रहे हैं। आँखों में उज्जवल भविष्य के सपने लिए ये युवा प्रशासन की बेरुखी का जीवंत प्रमाण बन गए हैं।

वीर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में शारीरिक परीक्षण के लिए हर दिन लगभग 2500 युवा पहुँच रहे हैं। विडंबना यह है कि प्रशासन ने उनके ठहरने की व्यवस्था मैदान से 3-4 किलोमीटर दूर की है। सुबह 5 बजे की रिपोर्टिंग और चयन प्रक्रिया में समय पर पहुँचने के डर से ये अभ्यर्थी दूर जाने के बजाय मैदान के बाहर सड़क किनारे ही रात गुजार रहे हैं।

पिछले वर्ष के कड़वे अनुभवों से सबक लेने के बजाय, इस बार भी 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति बनी हुई है।

इस गंभीर मुद्दे ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। मीरा भाईंदर युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सिद्धेश राणे ने इसे भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता का परिणाम बताते हुए तीखा विरोध दर्ज किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक प्रताप सरनाईक ने भी मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा को कड़े शब्दों में पत्र लिखकर तुरंत व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। सवाल यह उठता है कि जब मैदान के पास ही 'नगर भवन' जैसे विकल्प मौजूद हैं, तो युवाओं को दर-दर भटकने पर क्यों मजबूर किया जा रहा है?

संयुक्त जिम्मेदारी और नैतिक पतन

एक पुलिस भर्ती केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीद होती है। पुलिस विभाग और स्थानीय नगर निगम (MBMC) की यह संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे अभ्यर्थियों को भोजन, स्वच्छ पानी और सुरक्षित आश्रय प्रदान करें। जब प्रशासन इन बुनियादी सुविधाओं को देने में विफल रहता है, तो यह केवल एक सिस्टम की चूक नहीं, बल्कि उन युवाओं के आत्मसम्मान पर चोट है जो राष्ट्र सेवा के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाकर आए हैं।

उम्मीदों का बोझ और व्यवस्था से अपील

सिद्धेश राणे का कहना है कि प्रशासन चाहे तो अस्थाई तंबू या पास के सरकारी भवनों में इनके रुकने का इंतजाम पल भर में कर सकता है। इन अभ्यर्थियों को दान नहीं, बल्कि उनका हक चाहिए ताकि वे बिना किसी मानसिक तनाव के अपनी शारीरिक परीक्षा दे सकें। प्रशासन को चाहिए कि वह अपनी कुंभकर्णी नींद से जागे और इन 'कल के रक्षकों' को फुटपाथ से उठाकर एक सम्मानजनक छत प्रदान करे, ताकि उनके सपनों की उड़ान में व्यवस्था की खामियां बाधा न बनें।

नाले की गंदगी से फैली दुर्गंध से नागरिक बेहाल

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर-5 स्थित शांति प्रकाश स्कूल के पीछे बहने वाला नाला वर्तमान में स्थानीय निवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। नाले में भारी मात्रा में प्लास्टिक, सड़ा हुआ कचरा और गंदा पानी जमा होने के कारण पूरे क्षेत्र में असहनीय दुर्गंध फैल रही है। इस दूषित वातावरण और ठहरे हुए पानी की वजह से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है, जिससे इलाके में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा चरम पर है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नियमित सफाई के अभाव में स्थिति अब बेकाबू होती जा रही है।

छात्रों की सुरक्षा और प्रशासनिक अनदेखी

इस समस्या का सबसे गंभीर पहलू यह है कि नाले के समीप ही स्थित स्कूल में हजारों छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। छोटे बच्चों को प्रतिदिन इसी बदबूदार और बीमारी फैलाने वाले नाले के किनारे से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर अभिभावक गहरे तनाव में हैं। समाजसेवक संदीप सिंह द्वारा इस विषय में मनपा प्रशासन से आधिकारिक शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

तत्काल कार्रवाई और जवाबदेही की मांग

क्षेत्र के रहवासियों ने अब मनपा प्रशासन के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए तत्काल समाधान की मांग की है। नागरिकों की मांग है कि नाले की युद्धस्तर पर सफाई की जाए, कीटनाशकों का छिड़काव हो और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार संबंधित अधिकारियों पर कड़ी जवाबदेही तय की जाए। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने अपनी नींद नहीं त्यागी, तो क्षेत्र में किसी बड़ी महामारी को फैलने से रोकना मुश्किल होगा। प्रशासन से अपील की गई है कि वे स्थिति की गंभीरता को समझें और जनहित में तुरंत कार्य शुरू करें।

'लाल परी' अब हुई स्मार्ट

एक हफ्ते में 1 लाख पार हुए स्मार्ट कार्ड रजिस्ट्रेशन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के नेतृत्व में शुरू किए गए 'एनसीएमसी स्मार्ट कार्ड' अभियान ने महज एक हफ्ते में ही सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन निगम (एसटी) ने नकद लेन-देन की झंझट खत्म करने के लिए NCMC स्मार्ट कार्ड लॉन्च किया था। मंत्री प्रताप सरनाईक ने गर्व से बताया कि सात दिनों के भीतर 1,00,021 यात्रियों ने इसके लिए पंजीकरण करा लिया है। पंजीकरण के आंकड़ों में हमारी माताएं-बहनें सबसे आगे रही हैं। 'महिला सम्मान योजना' (जिसके तहत किराए में 50% छूट मिलती है) की 37,927 महिलाओं ने अपना स्मार्ट कार्ड बनवाया है। यह दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं तकनीक को अपनाने में पीछे नहीं हैं।

बुजुर्गों का भी मिला भरपूर साथ

75 साल से ऊपर के बुजुर्गों के लिए शुरू की गई 'अमृत ज्येष्ठ नागरिक' योजना के तहत 34,948 वरिष्ठ नागरिकों ने कार्ड बनवाया। इसके अलावा, अन्य वरिष्ठ नागरिकों की संख्या भी करीब 25 हजार रही। अब उन्हें बस में चढ़ते समय बार-बार पहचान पत्र दिखाने या चिल्लर (नकदी) रखने की जरूरत नहीं होगी।

पुलिस ने लौटाईं 'खोई हुई खुशियाँ'

डीसीपी राहुल चव्हाण ने खुद सौंपे सामान

1.5 करोड़ की नकद राशि समेत मोबाइल और गहने शिकायतकर्ताओं को वापस

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर-वसई विरार (MBVV) पुलिस के जोन-1 ने मीरा रोड के 'शहनाई हॉल' में एक बेहद खास और जज्बाती कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस ने आम जनता की मेहनत की कमाई, जो चोरी या साइबर धोखाधड़ी के जरिए लूटी गई थी, उन्हें ससम्मान वापस लौटाया। इस दौरान कई शिकायतकर्ताओं की आँखों में अपनी 'खोई हुई खुशियाँ' वापस पाकर चमक आ गई।

साइबर ठगों के खातों से 'रिकवरी' पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण और उनकी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगों के विभिन्न बैंक खातों को फ्रीज करवाया। इन खातों से कुल 1 करोड़ 53 लाख 83 हजार 618 रुपए की नकद राशि वसूल की गई, जो सीधे उन लोगों को वापस मिली जिन्होंने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। मीरा रोड के शहनाई हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में जोन-1 के सभी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक (Senior PIs) मौजूद रहे। पुलिस ने केवल नकद ही नहीं, बल्कि चोरी किए गए अन्य सामान भी लौटाए। कुल मिलाकर 2 करोड़ 18 लाख 15 हजार 520 रुपए की संपत्ति उनके असली मालिकों के हवाले की गई।

मोबाइल और गाड़ियाँ भी मिलीं

अक्सर लोग मोबाइल गुम होने या गाड़ी चोरी होने के बाद उम्मीद छोड़ देते हैं। लेकिन पुलिस ने इस बार 149 मोबाइल फोन (कीमतः 25.41 लाख) बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे। 12 वाहन (कीमतः 9.35 लाख) भी ढूंढ निकाले और चाबियाँ मालिकों के हाथ में दीं।

चोरी और झपटमारी के मामलों में जब्त किए गए 29,55,285 मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण भी इस समारोह में लौटाए गए। अपने पुश्तैनी या मेहनत से बनाए गहने वापस पाकर कई महिलाएं भावुक नजर आईं।

'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

खारघर (सेक्टर 29, ओवे ग्राउंड) में शनिवार से दो दिवसीय 'हिंद-दी-चादर' समारोह का गौरवशाली शुभारंभ हुआ। यह विशेष सभा सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। इस ऐतिहासिक अवसर पर 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है, जिनकी सुविधा के लिए पहले ही दिन एक विशाल 'लंगर' और स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में बंजारा समुदाय की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्यों ने आध्यात्मिक वातावरण में सांस्कृतिक उत्साह का संचार कर दिया।

शीर्ष नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति और सुरक्षा व्यवस्था

इस भव्य धार्मिक सभा की महत्ता को देखते हुए रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन की संभावना है। समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राज्य मंत्रिमंडल के कई मंत्री, विधायक और सम्मानित सिख धर्मगुरु भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन की संवेदनशीलता और भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। प्रधान सचिव श्रीकर परदेशी की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद सभी विभागों को आपस में घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

पेट ऑक्सफोर्ड स्कूल में उड़ान फेस्टिवल का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर के पूर्व विधायक पप्पू कालानी और नगरसेवक महेश सुखरामानी ने छात्र-छात्राओं को किया प्रोत्साहित

उल्हासनगर के पेट ऑक्सफोर्ड स्कूल में 'उड़ान महोत्सव' का भव्य आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 2011 से निरंतर आयोजित होने वाले इस महोत्सव की परंपरा को बरकरार रखते हुए, 2025-26 के इस सत्र में भी छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विभिन्न झांकियों ने आगंतुकों का मन मोह लिया, विशेष रूप से छत्रपति शिवाजी महाराज के किले और उनकी भव्य प्रतिमा की प्रतिकृति आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। इस कलाकृति की सुंदरता का आलम यह था कि वहां मौजूद लोग खुद को सेल्फी लेने से रोक नहीं पाए।

इस विशेष अवसर पर शहर की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। पूर्व विधायक पप्पू कालानी, नगरसेवक महेश सुखरामानी और जमनु पुरस्वानी न केवल कार्यक्रम में शामिल हुए, बल्कि बच्चों द्वारा लगाए गए विभिन्न खेलों के स्टॉल्स पर उनके साथ गेम खेलकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे कड़ी मेहनत से पढ़ाई करें और उल्हासनगर का नाम रोशन करें। स्कूल के चीफ ट्रस्टी किशोर निचलानी ने भी उपस्थित रहकर छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्रों की असली चाभी शिक्षा है : विजय माखिजा

महोत्सव के दौरान शिक्षा के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। नगरसेवक महेश सुखरामानी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से इंसान जीवन में कुछ भी हासिल कर सकता है, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। वहीं, स्कूल के प्रिंसिपल विजय माखिजा ने शिक्षा को 'सफलता की चाभी' बताते हुए कहा कि यह न केवल भविष्य संवारती है, बल्कि जीवन की कठिन से कठिन समस्याओं को हल करने की शक्ति भी प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों से पूरी एकाग्रता के साथ अपनी उन्नति के पथ पर अग्रसर रहने की अपील की।

दो मंत्रियों को सुनेत्रा पवार के विभागों की जिम्मेदारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

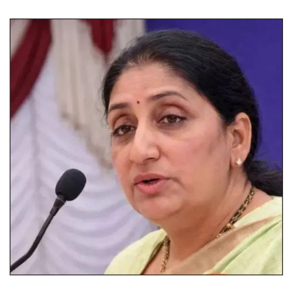

महाराष्ट्र विधानमंडल के चालू बजट सत्र में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के विभागों से संबंधित सवालों का जवाब देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दो वरिष्ठ मंत्रियों को नामित किया गया है। विधानसभा और विधान परिषद के पीठासीन अधिकारियों द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, हसन मुश्रीफ अब सदन में आबकारी विभाग से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देंगे। वहीं, दत्तात्रेय भरणे को खेल और अल्पसंख्यक मामलों से संबंधित विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

उत्तराधिकार और कार्यभार का आवंटन

यह प्रशासनिक बदलाव पिछले महीने एक दुखद विमान दुर्घटना में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद किया गया है। उनके निधन के उपरांत वित्त विभाग को छोड़कर उनके पास मौजूद सभी महत्वपूर्ण विभाग उनकी पत्नी और वर्तमान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को आवंटित किए गए थे। चूंकि बजट सत्र में विभिन्न विभागों पर गहन चर्चा और प्रश्नोत्तर होते हैं, इसलिए संसदीय परंपरा के अनुसार अन्य मंत्रियों को इन विभागों का कार्यभार संभालने के लिए अधिकृत किया गया है। सदन में इस तरह का समन्वय पहले भी देखा गया है। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री व शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के पास मौजूद आवास एवं शहरी विकास विभाग के सवालों का जवाब देने के लिए मंत्री शंभूराज देसाई और उदय सामंत को नामित किया गया था।

कृषि पर एआई नीति सराहनीय, लेकिन क्रियान्वयन कमजोर : जयंत पाटिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जयंत पाटिल ने विधानसभा में चर्चा के दौरान सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए तैयार की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) नीति को एक प्रगतिशील और स्वागत योग्य कदम बताया। उन्होंने खुशी जताई कि सरकार विभाजनकारी राजनीति से हटकर आधुनिक तकनीक जैसे उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ अब कृषि पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर गहरा असंतोष व्यक्त किया कि नीति कागजों पर तो अच्छी है, लेकिन धरातल पर इसका क्रियान्वयन अत्यंत धीमा रहा है, जिससे किसान अभी भी पुरानी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पाटिल ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि पिछले बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री अजित पवार ने एआई पहलों के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि इस भारी-भरकम राशि में से अब तक एक रुपया भी खर्च नहीं किया गया है। उन्होंने सरकार से सवाल पूछा कि आखिर यह फंड कहाँ अटका हुआ है? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि मुंबई में आयोजित 'एआई फॉर एग्री 2026' जैसे बड़े शिखर सम्मेलनों (Summits) से जमीनी स्तर के आम किसानों को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है।

तकनीक का लाभ आम किसान तक पहुँचाने की चुनौती

पूर्व मंत्री ने गन्ने की खेती और वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के सफल उदाहरणों का हवाला देते हुए बताया कि कैसे एआई आधारित प्रणालियों, जैसे मिट्टी की नमी मापने वाले सेंसर और ड्रोन निगरानी से उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि केवल बड़े आयोजनों से कृषि का भला नहीं होगा; तकनीक का लाभ तब माना जाएगा जब मौसम पूर्वानुमान और फसल रोग का पता लगाने वाले ऐप सीधे छोटे किसानों के मोबाइल तक पहुँचें। उन्होंने मांग की कि सरकार केवल बड़े वादे न करे, बल्कि ग्रामीण बुनियादी ढांचे और किसानों की आय में सुधार के लिए ठोस जमीनी काम करे।

पत्रकारों के लिए समर्पित एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगर के पत्रकारों, कैमरामैनों और प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े कर्मियों के लिए एक विशेष 'एम्बुलेंस' सेवा शुरू की गई है। यह पहल नवी मुंबई स्थित 'आरबीजी फाउंडेशन' और 'टीवी जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन' (TVJA) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य 'ब्रेकिंग न्यूज़' की होड़ में दिन-रात व्यस्त रहने वाले मीडिया कर्मियों को आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना है, क्योंकि निरंतर भागदौड़ उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

इस विशेष सेवा का उद्घाटन शनिवार को मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा किया गया। विधानसभा भवन परिसर में आयोजित इस समारोह में स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक सहित कई कैबिनेट मंत्री और संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संवेदनशील स्थानों को कवर करने वाले पत्रकारों के लिए यह सुरक्षा कवच की तरह है, जबकि उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इसे एक सराहनीय और आवश्यक उपाय बताया।

भविष्य की योजनाएं और स्वास्थ्य कार्ड

आरबीजी फाउंडेशन की अध्यक्ष मधुरा गेठे ने जानकारी दी कि वर्तमान में दो एम्बुलेंस उपलब्ध करा दी गई हैं। एम्बुलेंस सेवा के अगले चरण में पत्रकारों के लिए विशेष 'स्वास्थ्य कार्ड' तैयार करने की भी योजना है। यह सेवा राज्य स्तरीय 'टीवी पत्रकार संघ' के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों और कैमरामैनों का नेतृत्व करता है।

अब बाबू नहीं खेल सकेंगे दफ्तर-दफ्तर

महाराष्ट्र में शुरू होंगे 'महाराजस्व समाधान शिविर'

एक ही छत के नीचे तहसील स्तर पर मिलेंगी 15 सरकारी सेवाएं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने आम नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाने के लिए 'छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर' की शुरुआत की है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधानमंडल में इस विशेष मुहिम की घोषणा करते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य राजस्व प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुँचाना है। इस अभियान के तहत राज्य की प्रत्येक तहसील (तालुका) में विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जाएगा और उन्हें सरकारी सेवाओं का त्वरित लाभ मिलेगा।

15 महत्वपूर्ण सेवाओं का एक ही छत के नीचे समाधान

इन शिविरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ राजस्व विभाग से जुड़ी 15 महत्वपूर्ण सेवाएं एक साथ उपलब्ध होंगी। इसमें आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अधिवास (डोमिसाइल) प्रमाण पत्र, भूमि से संबंधित दस्तावेज (7/12 उतारा) और विभिन्न शासकीय योजनाओं के पंजीकरण शामिल हैं। एक ही स्थान पर सभी संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी से फाइलों के लटकने की गुंजाइश खत्म हो जाएगी और पारदर्शिता बढ़ेगी।

पूर्व-तैयारी चरण: सफलता सुनिश्चित करने की रणनीति

शिविर के दिन नागरिकों को बिना किसी देरी के प्रमाण पत्र या दस्तावेज मिल सकें, इसके लिए राजस्व विभाग ने 18 फरवरी से 5 मार्च तक एक 'पूर्व-तैयारी चरण' शुरू किया है। इस अवधि के दौरान, विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर नागरिकों के आवेदन एकत्र कर रहे हैं। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी है, तो उसे इसी चरण में पूरा कराया जा रहा है, ताकि मुख्य शिविर के दिन आवेदनों को खारिज करने की नौबत न आए और नागरिकों को तत्काल परिणाम मिल सके।

व्यवस्थित समय-सारणी और कार्यान्वयन

प्रशासन ने इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए तीन महीनों का एक विस्तृत शेड्यूल तैयार किया है। इसके अनुसार, प्रत्येक तहसील में कुल छह शिविर आयोजित किए जाएंगे। मार्च महीने में 7 और 14 तारीख को दो राजस्व मंडलों के लिए शिविर होंगे। इसके बाद अप्रैल महीने में 10 और 17 तारीख को अगले दो मंडलों को कवर किया जाएगा। अंत में, मई महीने में 8 और 15 तारीख को नगर पालिका और नगर पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की भागीदारी और जन-जुड़ाव

मंत्री बावनकुले ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान को एक जन-आंदोलन का रूप देने के लिए सभी सांसदों, विधायकों और पालक मंत्रियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से न केवल प्रशासन पर जवाबदेही का दबाव रहेगा, बल्कि नागरिकों को भी अपनी बात सीधे रखने का अवसर मिलेगा। इस पहल से सरकार और जनता के बीच की दूरी कम होगी और डिजिटल इंडिया के दौर में भौतिक सेवाओं का वितरण अधिक सुगम और भ्रष्टाचार मुक्त बनेगा।

यह संविधान बनाम मनुवाद की जंग : सपकाल

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई/चिपलून

चिपलून में आयोजित कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने देश की वर्तमान स्थिति को दो विचारधाराओं के बीच की जंग करार दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज एक तरफ कांग्रेस की संविधानवादी सोच है, जो समानता और न्याय पर टिकी है, तो दूसरी तरफ भाजपा की मनुवादी विचारधारा है। सपकाल के अनुसार, दोनों दलों के पास भारत के भविष्य के लिए बिल्कुल अलग-अलग सपने हैं। जहाँ कांग्रेस बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर के संविधान के अनुरूप देश का निर्माण करना चाहती है, वहीं भाजपा पर आरोप लगाया कि वह एक ऐसी व्यवस्था थोपना चाहती है जो केवल मुट्ठी भर लोगों के हितों की रक्षा करती हो।

लोकतंत्र में घटती अभिव्यक्ति की आजादी

स्वतंत्र भारत के इतिहास का उदाहरण देते हुए सपकाल ने कहा कि पंडित नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में छह गैर-कांग्रेसी नेताओं को शामिल करना इस बात का प्रमाण था कि कांग्रेस सभी विचारधाराओं को साथ लेकर चलती थी। उन्होंने एक भावुक उदाहरण देते हुए बताया कि नेहरू ने अपनी कॉलर पकड़कर सवाल पूछने वाली महिला को गिरफ्तार नहीं कराया था, बल्कि उसे जवाब दिया था। इसके विपरीत, आज के दौर में स्थिति भयावह है; यदि युवा कार्यकर्ता शांतिपूर्वक आंदोलन भी करते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर देशद्रोही करार देने का दुष्प्रचार किया जाता है। आज सरकार के खिलाफ बोलने की हिम्मत करना भी एक चुनौती बन गया है।

'डरो मत' और वैचारिक जीत का संकल्प

कांग्रेस को खत्म करने की कोशिशों पर कटाक्ष करते हुए सपकाल ने कहा कि कांग्रेस कोई राजनीतिक दल मात्र नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक विरासत है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जो लोग 'कांग्रेस-मुक्त भारत' का सपना देख रहे थे, आज वे खुद 'कांग्रेस-युक्त' हो चुके हैं। राहुल गांधी के संदेश ₹डरो मत₹ का उल्लेख करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार की दहशत या दबाव के आगे न झुकें।

कार्यशाला में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

इस प्रशिक्षण शिविर में केवल राजनीतिक चर्चा ही नहीं हुई, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। सामाजिक कार्यकर्ता विवेक वेलणकर, पूर्व आईएएस अधिकारी कन्नन गोपीनाथन, आरजे संग्राम खोपड़े और कांग्रेस प्रवक्ता हनुमंत पवार ने अपने संबोधन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया।

मुंबई में 'जॉइंट हैश' ड्रग्स की डिमांड

एएनसी ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी रैकेट का किया भंडाफोड़

करीब 2.81 करोड़ रुपये कीमत की चरस जब्त

चार लोगों को किया गया गिरफ्तार

मुंबई। होली के त्योहार की आड़ में मुंबई को 'नशे की आग' में झोंकने की तस्करों की एक बड़ी साजिश का एंटी नारकोटिक्स सेल (ANC) ने भंडाफोड़ किया है। अफगानिस्तान से पाकिस्तान और फिर नेपाल के रास्ते मुंबई तक पहुँचने वाली करोड़ों की 'जॉइंट हैश' की खेप पकड़ी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई ने ड्रग्स के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कमर तोड़ दी है।

होली से ठीक पहले मुंबई में मादक पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने 2.81 करोड़ की उच्च गुणवत्ता वाली अफगानी चरस (जॉइंट हैश) मुंबई पहुँचाई थी। ANC ने जाल बिछाकर अंधेरी के एक होटल से नेपाल के दो तस्करों (दीपक और सुंदर) और विलेपार्ले के एक पति-पत्नी को दबोच लिया। ये लोग माल की डिलीवरी देकर नेपाल भागने की फिराक में थे।

क्या है यह 'जॉइंट हैश' और क्यों है इसकी मांग?

पुलिस के अनुसार, 'जॉइंट हैश' साधारण चरस से कहीं ज्यादा घातक है। यह चरस और तंबाकू या गांजे के राल (रेजिन) का एक हाई-पावर मिश्रण है। इसमें THC की मात्रा 65% तक होती है, जिसका नशा करीब 12 घंटे तक रहता है। इसकी सबसे ज्यादा मांग रईसों की प्राइवेट पार्टियों, हुक्का पार्लरों और ग्लैमर इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में होती है। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर कड़ी निगरानी के कारण तस्करों ने अपना रास्ता बदल लिया है। अब वे अफगानिस्तान में पैदा होने वाली अफीम और चरस को पाकिस्तान के रास्ते नेपाल भेजते हैं और वहां से खुली सीमा का फायदा उठाकर भारत में दाखिल होते हैं।

शिवड़ी-वर्ली कनेक्टर से गिरी लोहे की रॉड, एक की मौत

मुंबई। दक्षिण मुंबई में निर्माणाधीन शिवड़ी-वर्ली कनेक्टर परियोजना के दौरान सुरक्षा मानकों में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। आचार्य डोंडे मार्ग के पास ब्रिज के काम के दौरान अचानक एक भारी लोहे की रॉड नीचे गिर गई, जिसकी चपेट में आने से 22 वर्षीय गणेश विष्णु बुधाले नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे परेल स्थित ग्लेनीगल्स अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

चेंबूर में 6 मजदूर गिरे, एक की मौत

मुंबई। चेंबूर के सुभाष नगर इलाके में इमारत नंबर 36 के पुनर्निर्माण का काम चल रहा था। शनिवार को अचानक बैलेंस बिगड़ने या किसी तकनीकी खराबी के कारण 6 मजदूर सीधे 8वीं मंजिल से नीचे आ गिरे। गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए और तुरंत मौके पर दौड़े। हादसे के तुरंत बाद सभी मजदूरों को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने रामाल्लू (55) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गुणाधर राय (22) की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। बाकी चार मजदूर—उसराई (30), रमेश राय (25), विजय (35) और संदीप (27)—फिलहाल स्थिर हैं और ट्रॉमा वार्ड में उनका इलाज चल रहा है।

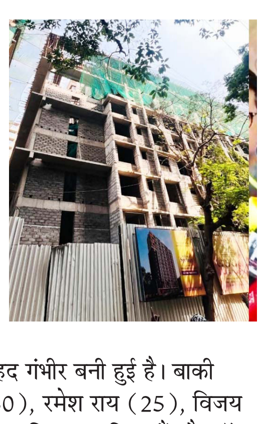

प्रशासन की शुरुआती कार्रवाई

बीएमसी ने घटना की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी है। यह देखा जा रहा है कि क्या ठेकेदार या बिल्डर ने सुरक्षा नियमों का पालन किया था। निर्माणाधीन साइट पर मजदूरों के नाम और उनके दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है ताकि मुआवजे और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सके।

संदिग्ध डिग्रियों और पदोन्नति पर सदन में हंगामा

राज्य सरकार ने तीन महीने में मांगी जांच रिपोर्ट

'डिस्टेंस लर्निंग' पर सनसनीखेज खुलासे

चर्चा के दौरान विधायक प्रवीण दरेकर ने खुलासा किया कि कर्नाटक, असम, सिक्किम, राजस्थान और केरल जैसे राज्यों के विश्वविद्यालयों से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से तकनीकी डिग्रियां हासिल की गई हैं।

मुंबई। पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका में पिछले 10 वर्षों के दौरान अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों की संदिग्ध डिग्रियों के आधार पर की गई पदोन्नतियों का मामला शनिवार को महाराष्ट्र विधान परिषद में गूँजा। विधायक अमित गोरखे ने इस गंभीर विषय को सदन के सामने रखा, जिस पर विधायक प्रवीण दरेकर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। गोरखे ने सवाल उठाया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों को ताक पर रखकर 'डिस्टेंस एजुकेशन' की डिग्रियों को पदोन्नति का आधार कैसे बनाया गया।

एनटीसी मिल मजदूरों को एक साल में मिलेगा बकाया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने 'नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन' की बंद मिलों के मजदूरों को बड़ी राहत दी। उन्होंने बताया कि मुंबई की चार मिलें जो कोविड-19 के बाद से बंद पड़ी हैं, उनके श्रमिकों के लंबित वेतन और बकाये का भुगतान करने के लिए सरकार निगम के संपर्क में है। बॉम्बे हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, अगले एक साल के भीतर इन श्रमिकों के सभी कानूनी बकाये का निपटारा कर दिया जाएगा। इससे उन हजारों परिवारों को संबल मिलेगा जो लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे।

मध्य रेल

व्हील सेट का निर्माण और असेंबली

खुली निविदा संख्या : १] पीआर DHR-WS-25-26-781, दि. 25.02.2026. कार्य का विवरण: डीएचआर बोगियों के लिए व्हील सेट का निर्माण और असेंबली। **अनुमानित लागत:** रु. 42,00,800/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** Nil. **ईएमडी:** रु. 84,000/-. **समापन अवधि:** चार माह। ई-निविदा की जमा करने की तिथी एवं अवधि दि. 20.03.2026 को 17:00 बजे तक है ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारीक वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **AK-943**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

भुसावल मंडल

खुली ई-निविदा सं. बीएसएल-एन-एसएनटी-44.2025-26 दिनांक 27.02.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजीटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई-निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** भुसावल (BSL) मंडल में भुसावल (BSL) एवं मनमाड (MMR) स्थित वर्तमान SSE सिग्नल स्टोर डिपो का विस्तार तथा जळगांव (JL) में नए SSE कार्यालय एवं स्टोर डिपो का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,88,52,172.81/- (रुपये एक करोड़ अठासी लाख बावन हजार एक सौ बहत्तर रुपये और इक्यासी पैसे मात्र) **निविदा फार्म/बुकलेट की किमत:** नहीं. **बयाना राशी:** ₹ 2,44,300.00/- **कार्य पूरा करने का समय:** 6 माह एलओए देने के बाद । **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: 09/03/2026.** निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय: **23/03/2026 के 15.00 बजे तक ।** निविदा खुलने की तिथि और समय : **23/03/2026 के 15.30 बजे** (यदि संभव हो तो). वेबसाइट का विवरण जहा से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: **www.ireps.gov.in** **AK/BSL-06**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

'तोतला' कहकर किया अपमान

किरीट सोमैया ने इम्तियाज जलील को भेजा 10 करोड़ का नोटिस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने पूर्व सांसद इम्तियाज जलील के खिलाफ 10 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। सोमैया का आरोप है कि एक सार्वजनिक भाषण के दौरान जलील ने उन्हें ₹तोतला₹ कहकर संबोधित किया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि उनकी प्रतिष्ठा को जानबूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश है। नोटिस में मांग की गई है कि जलील इस मानसिक पीड़ा और छवि को हुए नुकसान के लिए हर्जाना भरें और दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में सार्वजनिक रूप से माफीनामा प्रकाशित करें।

सोमैया ने अपने नोटिस में एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनके अनुसार, इम्तियाज जलील ने मुंब्रा के एक प्रमुख चौक पर उनके खिलाफ एक आपत्तिजनक रील प्रसारित करने की धमकी दी थी। सोमैया का दावा है कि यह उनकी राजनीतिक और सामाजिक छवि को धूमिल करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। इस कानूनी कदम के जरिए सोमैया ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वे व्यक्तिगत हमलों और सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले चरित्र हनन को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इम्तियाज जलील का पलटवार और कानूनी चुनौती

मानहानि नोटिस मिलने के बाद इम्तियाज जलील ने सोशल मीडिया (X) पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे सच्चाई दबाने की कोशिश करार दिया है। जलील ने सवाल उठाया कि मुस्लिम समुदाय और मदरसों को लेकर जो भाषा इस्तेमाल की जाती है, उस पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए स्पष्ट किया कि वे इस कानूनी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सम्मन बनाम रेस्पोडेण्ट
(आर्डर 4 नियम 14 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत... श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय, बमुकाम • पाली (राज.)

बइजलास..
अपीलान्ट — **दलपतसिह वगैरह** बनाम रेस्पोडेन्ट — **वीरसिह वगैरह**

अपील बाबत : - म्युटेशन अपील अन्तर्गत धारा 75 एल आर एक्ट।
अपील नम्बर :- 35 / 2025

बानाराजगी फैसला / हुक्म अदालत श्रीमान तहसीलदार महोदय पाली, मवरखा दिन 17. माह 11 सन् 2021
मुसम्मा :- प्रवीण पुत्र भंवरलाल, उम्र-58 वर्ष, जाति-जैन, निवासी-प्लाट नम्बर 273, रुम नम्बर 4, रोड नम्बर 12, सर. बी. जे. गर्ल्स स्कुल के पास, जवाहर नगर गोरे गांव पश्चिम, मुम्बई 400104 वर्तमान पता- 1106, अर्थ टावर, गोरे गांव स्टेशन के सामने, गजानन्द कोलोनी, गोरे गांव पश्चिम, मुम्बई 400104
जरिये हाजा इतला दी जाती है कि अपीलान्ट ने इस मुकदमें में अपील पेश की जो इस अदालत में दर्ज रजिस्टर की गई है और 17/03/2026 तारीख को पेशी इस अदालत में अपील सुनवाई के लिए समय मुकर्रर की है।
अगर आपकी तरफ से आप खुद, आपका वकील या और कोई शक्स कानुनन इस अपील पर आपकी तरफ से पैरवी कर सकता हो हाजिर नही हुआ तो आपकी अमद मौजुदगी में अपील सुनी व फैसला किया जावेगा।
बसिख्त मेरे दस्तखत व मोहर अदालत के आज तारीख 24/02/2026 को जारी किया गया

दस्तखत मये ओहदा

पब्लिक नोटीस

यह जन सूचना सभी को सूचित करने के लिए है कि मेरे संबंधी श्रीमती गीता काल्र्राम पाटिल, श्रीमती मीना मानिक पाटिल, श्रीमती ललिता सुनील पाटिल, श्रीमती छाया गोरक्षनाथ म्हात्रे, हम, ग्राम तिसगांव, तहसील कल्याण, जिला ठाणे में सर्वे क्रमांक 78/1/ए/3 के अंतर्गत 0.04.80 वर्ग मीटर भूमि के मालिक हैं और यह भूमि हमारी संयुक्त स्वामित्व में है। हमने आर्थिक कारणों से इस भूमि को बिक्री के लिए रखा है।

हालांकि, यदि किसी व्यक्ति, संस्था या वित्तीय संस्थान का उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग में कोई दावा, स्वामित्व या कोई अन्य अधिकार या हित है, तो ऐसे व्यक्ति या वित्तीय संस्थान को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करना चाहिए, जिसमें उनके अधिकार या हित की प्रकृति का विस्तृत विवरण हो और दस्तावेजी साक्ष्य अधोहस्ताक्षरी के पते पर प्रस्तुत किए जाएं। यदि उपरोक्त अवधि के भीतर किसी से कोई लिखित आपत्ति या शिकायत प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति में किसी का कोई अधिकार या हित नहीं है और यदि ऐसा है, तो इसे त्याग दिया गया है। सभी लोग ध्यान दें कि मेरी सहमति से खरीद-बिक्री का लेन-देन पूरा किया जाएगा और समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पता: अरुण पाटिल निवास, मयूर चाइनीज के पास, मोहिंदर सिंह काबुल सिंह स्कूल के सामने, आगरा रोड, कल्याण (पश्चिम)।

सही/-
संदीप वी. कुचेकर,
अधिवक्ता

मध्य रेल

मरम्मत और रखरखाव कार्य

खुलीई- निवीदासूचनासं–मरे/मंरेप्र(कार्य) बीबी/2026/10 दिनांक-25.02.2026

क्रमसंख्या-1. कार्य का नाम: सीनियर डीईएन (एनई) अधिकार क्षेत्र में वर्ष 2026 के लिए खरडी, कसारा और अटगांव यार्ड में सुधार। **अनुमानित मूल्य:** रु.154.02 लाख। **ईएमडी:** रु.2,27,000/-. **पूरा होने की अवधि:** 8 महीने।

क्रमसंख्या- 2. कार्य का नाम: (ए) सीएसएमटी- एडीईएन (डब्ल्यू) सीएसएमटी के तहत सीएसएमटी परिसर, कार्नाक बंदर आदि में रोड टैंकरों के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति (एक वर्ष के लिए)। **(बी)** एडीईएन (डब्ल्यू) सीएसएमटी के तहत बधवार पार्क में रोड टैंकरों के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति (एक वर्ष के लिए)। **अनुमानित मूल्य:** रु.378.75 लाख। **ईएमडी:** रु.3,39,400/-. **पूरा होने की अवधि:** 12 महीने।

क्रमसंख्या- 3. कार्य का नाम: प्लेटफॉर्म पर नए COP का इंतज़ाम और CSMT-कुर्ला सेक्शन में खराब वैली गटर और डाउनटेक पाइप को बदलना। **(ए)** एसएसई (डब्ल्यू)/वाडीबंदर के तहत मस्जिद स्टेशन पर खुले हिस्से के लिए नए सीओपी का प्रावधान। **(बी)** एसएसई (डब्ल्यू)/वाडीबंदर के तहत सैंडहर्स्ट रोड पीएफ नंबर 1, 2, 3 और 4 की लीकी कोरोडेड सीओपी शीट और वैली गटर का सुधार। **अनुमानित मूल्य:** रु.286.15 लाख। ईएमडी: रु.2,93,100/-. **पूरा होने का समय:** 12 महीने।

क्रमसंख्या- 4. कार्य का नाम: एक वर्ष के लिए एडीईएन/पूर्व/पनवेल के अधीन पनवेल से रोहा, रोहा रनिंग रूम, लेवल एक्स-इंग एवं पनवेल-रोहा सेक्शन में विभिन्न कॉलोनियों, सेवा भवनों, स्टेशनों तक सड़क टैंकर द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति। **अनुमानित मूल्य:** रु.31.88 लाख। **ईएमडी:** रु.63,800/-. **पूरा होने का समय:** 12 महीने।

क्रमसंख्या- 5. कार्य का नाम: वासिंद, खरडी और अटगांव में सुविधाओं के साथ ट्रैक मशीन साइडिंग का विकास। **अनुमानित मूल्य:** रु.269.84 लाख। **ईएमडी:** रु.2,84,900/-. **पूरा होने का समय:** 12 महीने।

क्रमसंख्या- 6. कार्य का नाम: (ए) एसएसई (पी.वे) पनवेल (ई) के तहत रेत हंप, ट्रॉली शरण, डेड एंड का मानकीकरण, सफाई सहित नाली की मरम्मत, सेस कम करना और मलबा हटाना। **(बी)** एसएसई (पी.वे) पेन के तहत रेत हंप, ट्रॉली रिफ्यूज, डेड एंड का मानकीकरण, सफाई सहित नाली की मरम्मत, सेस कम करना और मलबा हटाना। **अनुमानित मूल्य:** रु.99.52 लाख। **ईएमडी:** रु.1,99,000/-. **पूरा होने का समय:** 12 महीने।

क्रमसंख्या- 7. कार्य का नाम: (ए) एसएसई (पी.वे) पनवेल (पश्चिम) के तहत रेत हंप, ट्रॉली रिफ्यूज, डेड एंड का मानकीकरण, सफाई सहित नाली की मरम्मत, सेस कम करना और मलबा हटाना। **(बी)** एसएसई (पी.वे) पोर्ट के तहत रेत हंप, ट्रॉली शरण, डेड एंड का मानकीकरण, सफाई सहित नाली की मरम्मत, सेस कम करना और मलबा हटाना। **(सी)** एसएसई (पी.वे) भिवंडी के तहत रेत हंप, ट्रॉली शरण, डेड एंड का मानकीकरण, सफाई सहित नाली की मरम्मत, सेस कम करना और मलबा हटाना। **अनुमानित मूल्य:** रु.143.41 लाख। **ईएमडी:** रु.2,21,700/-. **पूरा होने का समय:** 12 महीने।

उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1 दिनांक 13.03.2026, क्र.2,3 और 4 दिनांक 20.03.2026, , क्र.5 दिनांक 17.03.2026, क्र.6 और 7 दिनांक 24.03.2026 को 15.00 बजे तक और 15.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुद्धिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर भेट देने का अनुरोध है।

इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से टेंडर से ऊपर ई-टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई-टेंडर के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृति क नियम के अनुसार उपलब्ध किए गए ई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है।

अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल।फोन– 022-67455323 यह विदाएं सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है। निवीदाओं संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र के ऊपर, छशिमट मुंबई–400001 के "नोटिसबोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **AK-941**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (क.च.स्टा.) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070, खुली ई-निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **खुली ई-निविदा सूचना क्र. कुर्ला-आरएस-वर्क्स-2025-16, दि. 25.02.2026. कार्य का विवरण:** 52 सीरीज़ एम आर वी सी बॉम्बार्डियर ईएमयू रेक के ड्राइविंग कैब में 415 V एसी 3 फेज़ टावर एसी सिस्टम का इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग। **कार्य की औसत लागत:** रु. 9,55,800/- (जीएसटी साहित)। **बोली प्रतिभूति:** रु.19,100/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 3 महीने। **अनुदेश: 1.** उपरोक्त निविदा 19.03.2026 को 11:00 बंद हो जायेगी तथा उसके बाद 11.15 को खोली जाएगी। **2.** भावी निविदाकर्ताओ से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धीपत्र (यदि कोई हो तो) की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपरोक्त ई-निविदा में भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत किए जाने पर न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (क. च. स्टा) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070 पर संपर्क कर सकते हैं। **5.** औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) द्वारा 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी फर्म को ऊपर वर्णित बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट दी जाएगी। श्रम सहकारी समितियां ऊपर वर्णित उपरोक्त बोली सुरक्षा का केवल 50% ही जमा करेंगी। अधिक जानकारी के लिए जीसीसी कार्य 2022 या इसके नवीनतम संशोधन देखें। **6.** यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। **AK-945**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

गायब होता भाषा से हास्य

समाज में संवाद का सबसे सहज माध्यम भाषा रही है। भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का साधन नहीं, बल्कि भावनाओं, व्यंग्य और हास्य के जरिए संबंधों को मानवीय बनाने का जरिया भी रही है। लेकिन आज के समय में सार्वजनिक भाषणों से हास्य धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। इस चिंता को हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर व्यक्त किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह स्वीकार किया कि पहले हास्य से भरपूर भाषणों का जो आनंद मिलता था, वह अब कम होता जा रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि आज हर वाक्य को अलग-अलग पहचान, समूह और संदर्भ से जोड़कर देखा जाने लगा है। जो बात कभी सामान्य मजाक मानी जाती थी, वही आज अपमान या राजनीतिक बयान के रूप में व्याख्यायित हो जाती है। दरअसल, हास्य की आत्मा उसकी सहजता में होती है। जब हास्य को अनावश्यक रूप से जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्रीय पहचान से जोड़ दिया जाता है, तब उसका मूल उद्देश्य समाप्त हो जाता है। वह आनंद देने के बजाय विवाद का कारण बन जाता है। इसी कारण आज वक्ता मंच से बोलते समय "अत्यधिक सावधानी" बरतने को मजबूर हैं। परिणामस्वरूप भाषण नीरस, औपचारिक और भावनात्मक जुड़ाव से रहित हो गए हैं। समस्या केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। साहित्य, मीडिया और सामाजिक संवाद में भी हास्य के स्थान पर आक्रामकता और कटाक्ष ने जगह ले ली है। सोशल मीडिया ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। किसी भी कथन को संदर्भ से काटकर वायरल किया जा सकता है। इससे न केवल वक्ता की छवि प्रभावित होती है, बल्कि समाज में संवाद की संस्कृति भी कमजोर होती है। हास्य का ऐतिहासिक महत्व रहा है। शरद जोशी और पी. एल. देशपांडे जैसे रचनाकारों ने व्यंग्य और हास्य को सामाजिक सुधार का माध्यम बनाया। उनके लेखन ने बिना चोट पहुंचाए गहरी बात कहने की परंपरा विकसित की। आज वही परंपरा संकट में दिखाई देती है। यह भी सच है कि हास्य के नाम पर असंवेदनशील टिप्पणी स्वीकार्य नहीं हो सकती। समाज बदल चुका है और संवेदनशीलता का स्तर भी बढ़ा है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हास्य को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया जाए। विवेकपूर्ण हास्य और अपमानजनक मजाक में फर्क समझना जरूरी है। सीएम फडणवीस की टिप्पणी दरअसल समाज के बदलते संवाद-संस्कृति पर एक गंभीर सवाल खड़ा करती है—क्या हम इतने असहिष्णु हो गए हैं कि मुस्कान भी संदेह के घेरे में आ गई है? अगर हर वाक्य को विवाद की नजर से देखा जाएगा, तो रचनात्मकता और सहज अभिव्यक्ति कैसे बचेगी? लोकतंत्र केवल बहस से नहीं, बल्कि संवाद की गरिमा से चलता है। हास्य उस गरिमा को मानवीय स्पर्श देता है। जब नेता, लेखक और वक्ता अपने शब्दों में हल्कापन जोड़ते हैं, तो जनता उनसे जुड़ाव महसूस करती है। हास्य रहित भाषा केवल आदेशात्मक और कठोर बन जाती है। समाज को यह तय करना होगा कि वह व्याख्या की तलवार से हर मुस्कान को काटेगा या विवेक के साथ हास्य को स्वीकार करेगा। जरूरी है कि हम संदर्भ समझें, नीयत परखें और संवाद को विवाद में बदलने की प्रवृत्ति से बाहर निकलें। अमेरिका में एक संस्थान है- इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ ह्यूमन नॉलेज। इस संस्थान के दक्ष डॉक्टरों ने आदमी के स्वास्थ्य का अनुसंधान किया, तो वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि हास्य में अद्भुत क्षमता है स्वास्थ्य प्रदान करने की। वह प्रतिभा को प्रभावित करता है, आप ज्यादा बुद्धिमान हो जाते हैं। मन के वे हिस्से, जो सोए पड़े थे, अनायास जाग उठते हैं।

शख्सियत | मोरारजी देसाई

सत्ता से ऊपर सत्य का संकल्प

मोरारजी देसाई आधुनिक भारत के इतिहास के एक ऐसे निष्ठावान राजनेता थे, जिन्होंने सत्य और सिद्धांतों की राजनीति को सत्ता से ऊपर रखा।

29 फरवरी, 1896 को जन्मे मोरारजी का जीवन अनुशासन, सादगी और गांधीवादी मूल्यों का जीवंत प्रमाण है। वे न केवल भारत के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने, बल्कि उन्होंने लोकतंत्र की जड़ों को सींचने में भी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। मोरारजी देसाई का जन्म गुजरात के भदेली गांव में एक सादगी पसंद परिवार में हुआ था। उनके पिता एक शिक्षक थे, जिन्होंने उन्हें सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा दी। मुंबई के विल्सन कॉलेज से स्नातक करने के बाद उन्होंने बॉम्बे सिविल सर्विस में डिप्टी कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएँ शुरू कीं। हालांकि, ब्रिटिश हुकूमत के अधीन काम करते हुए उनकी अंतरात्मा ने उन्हें देश सेवा के लिए झकझोरा। 1930 में महात्मा गांधी के 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' से प्रभावित होकर उन्होंने सरकारी नौकरी की सुरक्षा और रुतबा छोड़ दिया और पूरी तरह से आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने कई बार जेल की सजा काटी, लेकिन उनके इरादे कभी कमजोर नहीं हुए। यही वह समय था जब उन्होंने खादी और गांधीवादी जीवनशैली को पूरी तरह आत्मसात कर लिया। स्वतंत्रता के पश्चात मोरारजी देसाई ने बॉम्बे स्टेट के मुख्यमंत्री और बाद में केंद्र सरकार में गृह मंत्री व वित्त मंत्री जैसे अहम पदों पर अपनी योग्यता सिद्ध की। वे अपनी सख्त कार्यशैली और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता के लिए जाने जाते थे। जब 1975 में देश पर 'आपातकाल' थोपा गया, तब मोरारजी देसाई उन प्रमुख नेताओं में से थे जिन्होंने इंदिरा गांधी के इस कदम का डटकर विरोध किया। 19 महीने जेल में रहने के बाद, 1977 में उन्होंने जनता पार्टी का नेतृत्व किया और ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए भारत के चौथे प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि संविधान के 44वें संशोधन के जरिए लोकतंत्र और प्रेस की आजादी को बहाल करना था, जिसे आपातकाल के दौरान कुचल दिया गया था। प्रधानमंत्री के रूप में मोरारजी देसाई ने 'सच्ची गुटनिरपेक्षता' की नीति अपनाई। उन्होंने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में सुधार के लिए साहसी कदम उठाए। उनका मानना था कि युद्ध नहीं, बल्कि संवाद ही समस्याओं का समाधान है। उनकी इसी शांतिपूर्ण सोच और कूटनीतिक सूझबूझ के कारण पाकिस्तान ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-पाकिस्तान' से नवाजा। वे दुनिया के एकमात्र ऐसे महान व्यक्तित्व हैं जिन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' और पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान दोनों प्राप्त हुए हैं। उन्होंने आर्थिक स्तर पर भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण विकास पर विशेष बल दिया, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा मिली। मोरारजी देसाई का व्यक्तिगत जीवन किसी सन्यासी जैसा था। वे प्राकृतिक चिकित्सा, योग और सात्विक आहार के प्रबल समर्थक थे।

शून्य भेदभाव दिवस

मानवता की कसौटी और वैश्विक समानता का आह्वान

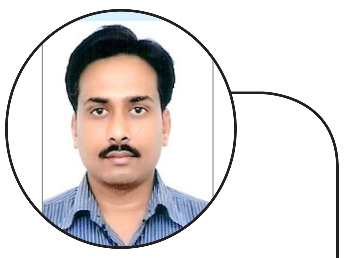

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

लैंगिक स्तर पर देखें तो विश्व बैंक के अनुसार दुनिया भर में लगभग 2.4 बिलियन महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें पुरुषों के समान आर्थिक अवसर प्राप्त नहीं हैं। आज भी वैश्विक स्तर पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान काम के लिए औसतन 20% कम वेतन मिलता है।

प्रत्येक वर्ष 1 मार्च को संपूर्ण विश्व में 'शून्य भेदभाव दिवस' (Zero Discrimination Day मनाया जाता है। यह दिवस केवल एक वैश्विक औपचारिकता नहीं, बल्कि इस सत्य की उद्घोषणा है कि गरिमापूर्ण जीवन हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। भेदभाव—चाहे वह रंग, नस्ल, धर्म, लिंग, आय या किसी बीमारी के आधार पर हो—इंसानियत के दामन पर एक ऐसा गहरा कलंक है जो आधुनिक सभ्यता के समस्त दावों को चुनौती देता है। जब हम 'शून्य भेदभाव' की बात करते हैं, तो हम एक ऐसे संसार की परिकल्पना करते हैं जहाँ न्याय और अवसर केवल विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक सीमित न होकर हर व्यक्ति की पहुंच में हों। यह दिन हमें आत्म-चिंतन की प्रेरणा देता है कि क्या हम वास्तव में एक आधुनिक समाज बन पाए हैं या आज भी हमारे भीतर पूर्वाग्रहों की दीवारें खड़ी हैं। आज 21वीं सदी में भी वैश्विक आंकड़े भेदभाव की एक भयावह और चिंताजनक तस्वीर पेश करते हैं। 'वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट' और संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों के अनुसार, असमानता की जड़ें बहुत गहरी हैं। लैंगिक स्तर पर देखें तो विश्व बैंक के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 2.4 बिलियन महिलाएं ऐसी हैं

जिन्हें पुरुषों के समान आर्थिक अवसर प्राप्त नहीं हैं। आज भी वैश्विक स्तर पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान काम के लिए औसतन 20% कम वेतन मिलता है। वहीं, स्वास्थ्य आधारित भेदभाव की बात करें तो UNAIDS की रिपोर्ट बताती है कि एचआईवी (HIV) के साथ जी रहे लगभग 38% लोग आज भी सामाजिक बहिष्कार का सामना करते हैं। आर्थिक विषमता का आलम यह है कि दुनिया की सबसे अमीर 1% आबादी के पास शेष 99% से अधिक संपत्ति है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकारों के वितरण में गहरे भेदभाव को जन्म देती है। आध्यात्मिक दृष्टिकोणः ईश्वर की नजर में सर्वत्र समानता दार्शनिक और आध्यात्मिक धरातल पर देखें तो भेदभाव प्रकृति के मौलिक नियमों के विरुद्ध एक विद्रोह है। संसार के समस्त पवित्र ग्रंथ और महापुरुष एक स्वर में घोषित करते हैं कि ईश्वर की नजर में सभी मनुष्य समान हैं। जिस प्रकार

सूर्य अपनी किरणों को किसी विशेष जाति या वर्ग के लिए सीमित नहीं करता, जिस प्रकार वायु सभी के फेफड़ों में समान रूप से प्रवाहित होती है, उसी प्रकार उस परम सत्ता का न्याय भी सार्वभौमिक है। ऋग्वेद का संदेश हो या 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना, सभी हमें यही सिखाते हैं कि 'मानस की जात सबै एकै पहचानबो'। जब सृष्टिकर्ता ने मनुष्यों के बीच कोई भेद नहीं किया, तो उसकी रचना होकर हम कृत्रिम दीवारें खड़ी करने वाले कौन होते हैं? वास्तव में, किसी भी मनुष्य के साथ उसकी पहचान के आधार पर भेदभाव करना, उस परमात्मा की कारीगरी का अपमान करना है जिसने हम सबको एक ही मिट्टी से गढ़ा है। भेदभाव केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि यह इंसानियत पर सबसे बड़ा प्रहार है। यह व्यक्ति के आत्मविश्वास को जड़ से हिला देता है और समाज में विभाजन, घृणा और हिंसा के बीज बोता है। जब किसी प्रतिभाशाली युवा को उसकी पृष्ठभूमि या जाति के कारण अवसरों से वंचित किया जाता है, तो वह केवल उस व्यक्ति का नुकसान नहीं होता, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की प्रगति में एक अवरोध पैदा होता है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो नस्लभेद और सांप्रदायिकता ने दुनिया को युद्धों और नरसंहारों के सिवा कुछ नहीं दिया। भेदभाव वह दीमक है जो सामाजिक सद्भाव के ढांचे को भीतर से खोखला कर देता है। एक खंडित और अपमानित समाज कभी भी विकास की ऊँचाइयों को नहीं छू सकता, क्योंकि वास्तविक शक्ति एकता और समावेशी वातावरण में ही निहित होती है। यद्यपि आधुनिक युग में मानवाधिकारों की घोषणा और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 जैसे प्रावधानों ने भेदभाव को कानूनी रूप से अपराध घोषित किया है, लेकिन केवल कानून इस समस्या का पूर्ण समाधान नहीं हैं।

भेदभाव की जड़ें अक्सर हमारी संकुचित मानसिकता और अज्ञानता में छिपी होती हैं। आज 'डिजिटल भेदभाव' और 'एल्गोरिदम पूर्वाग्रह' जैसी नई चुनौतियां सामने आ रही हैं, जहाँ तकनीक भी अनजाने में असमानता को बढ़ावा दे रही है। शून्य भेदभाव का लक्ष्य तब तक प्राप्त नहीं किया जा सकता जब तक कि समाज का सामूहिक हृदय परिवर्तन न हो।

हमारी गीता

शंखनाद के बाद और अर्जुन का संकल्प

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

कुरुक्षेत्र के मैदान में जब पांडवों के विशिष्ट और भयानक शंखों की गूंज हुई, तो आकाश और पृथ्वी का कोना-कोना गुंजायमान हो उठा। इस भीषण नाद ने कौरवों के हृदय को भयभीत कर दिया। शास्त्र कहते हैं कि अत्यधिक भयभीत होने पर पलायन ही विकल्प बचता है, किंतु इसके विपरीत अर्जुन ने युद्ध के लिए तत्पर शत्रुओं को साक्षात सामने खड़े देखा। जहाँ दुर्योधन की सारी प्रक्रिया शंख बजने से पहले की थी, वहीं अर्जुन की वास्तविक चेतना भगवान के शंख बजाने के बाद जाग्रत हुई। अर्जुन के रथ पर 'कपिध्वज' विराजमान हैं, जो साक्षात महावीर हनुमान द्वारा अनुगृहीत है। जिसके रक्षक हनुमान जी हों, उसे भय कहाँ से आएगा? वह पूर्णतः भयरहित होकर अपना गांडीव धनुष उठाता है। अर्जुन बिना विचार किए कार्य करने वाले योद्धा नहीं हैं; उन्होंने जो कुछ किया, वह गहरे चिंतन और विवेक के साथ किया। यहाँ अर्जुन स्वयं हृषीकेश (भगवान श्रीकृष्ण) को आदेश देने के लिए तैयार होता। भगवान ने युद्ध में शस्त्र न उठाने की प्रतिज्ञा ली थी और वे केवल सारथी बनकर बैठे थे। अर्जुन ने यह देखने के लिए कि भगवान सारथ्य का धर्म पूरी तरह निभाते हैं या नहीं,

उन्हें रथी के नाते आदेश दिया। भगवान तो अंतर्यामी और इंद्रियों के प्रेरक हैं, वे सब जानते हैं। यहाँ स्थिति वैसी ही है जैसे 'छुरी कद्दू पर पड़े या कद्दू छुरी पर', कद्दू ही कटेगा; अर्थात भगवान सर्वज्ञानी हैं और वे अपने भक्त की आज्ञा का पालन सहर्ष करते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि क्या भक्त भी अंततः भगवान की आज्ञा का पालन करेगा। अर्जुन ने भगवान को आदेश दिया— ₹हे अच्युत! मेरे रथ को दोनों सेनाओं के बीच खड़ा कर दो।₹ अर्जुन युद्ध की इच्छा रखने वाले उन लोगों को पहचान लेना चाहते थे जो दुर्योधन का साथ देने आए थे। वे यह देखना चाहते थे कि उन्हें किनके विरुद्ध शस्त्र उठाना है। यह केवल एक सैन्य निरीक्षण नहीं, बल्कि सत्य और असत्य के बीच खड़े होकर धर्म को परखने की एक गंभीर प्रक्रिया थी।

जीवन ऊर्जा

फ्रेडरिक चोपिन : जन्म - 1 मार्च 1810 | जन्म

जीवन छोटा है, लेकिन कला अमर है

फ्रेडरिक चोपिन का जन्म 1 मार्च 1810 को पोलैंड में हुआ और उनकी मृत्यु 17 अक्टूबर 1849 को पेरिस, फ्रांस में हुई। उन्हें 'पियानो का कवि' कहा जाता है, जिन्होंने अपनी भावुक धुनों से शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया। मात्र 39 वर्ष के जीवन में उन्होंने 'नॉकटर्न' और 'पोलोनेस' जैसी कालजयी रचनाएं कीं, जो आज भी संगीत जगत की अनमोल धरोहर हैं।

संगीत की कोई अंतिम सीमा नहीं होती, यह आत्मा की अनंत अभिव्यक्ति है। सादगी ही अंतिम सिद्धि है। बहुत सारे नोट्स बजाने के बाद ही सादगी का असली मूल्य समझ आता है। पियानो मेरा दूसरा स्वरूप है, जिसमें मेरी भावनाएं शब्दों से अधिक स्पष्टता से बहती हैं। हर वह व्यक्ति जो संगीत को गहराई से महसूस करता है, वह कलाकार है। समय सबसे अच्छा आलोचक है और धैर्य एक महान शिक्षक है। मेरा दिल हमेशा पोलैंड की मिट्टी के लिए धड़कता है। कला एक रहस्यमयी भाषा है जिसे केवल हृदय से ही समझा जा सकता है। मैं अपनी पीड़ा को संगीत के सुरों में ढाल देता हूं ताकि वह दूसरों के लिए मरहम बन सके। सुरों का सही चुनाव ही एक महान रचना की नींव रखता है। मौन भी संगीत का एक हिस्सा है। एक सच्ची धुन वह है जो सीधे आत्मा को स्पर्श करे। कलाकार वह है जो अपनी सीमाओं को जानता है। तकनीक केवल एक साधन है, उद्देश्य तो भावनाओं का संप्रेषण है। पियानो की चाबियाँ संवेदनाओं के द्वार हैं। संगीत में अनुशासन ही स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त करता है। दुनिया शोर से भरी है, इसलिए मैं शांति की तलाश करता हूँ। हर रचना एक नया जन्म है। मेरी उंगलियां वही बजाती हैं जो मेरा मन महसूस करता है।

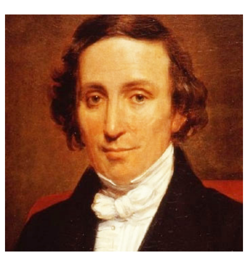

कला के प्रति ईमानदारी ही सबसे बड़ा पुरस्कार है। संगीत एक सार्वभौमिक सत्य है। कभी-कभी एक छोटा सा नोट एक हजार शब्दों से अधिक भारी होता है। कल्पना ही वह शक्ति है जो जीनियस बनाती है। जीवन छोटा है, लेकिन कला अमर है। मैं उन लोगों के लिए लिखता हूँ जो संगीत में सुकून पाते हैं। पूर्णता एक निरंतर यात्रा है। एक कलाकार को अपनी जड़ों से कभी अलग नहीं होना चाहिए। सुरों का तालमेल ही ब्रह्मांड की लय है। संगीत वह दवा है जो घावों को भरती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीवन के दुखों का अचूक समाधान

कबीर दास जी का वह प्रसिद्ध दोहा—₹दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय। जो सुख में सुमिरन करे, तो दुख काहे होय₹—मानव मनोविज्ञान का सबसे गहरा सत्य है। सामान्यतः मनुष्य का स्वभाव है कि वह अनुकूल परिस्थितियों में मदमस्त हो जाता है और उस परम सत्ता को भूल जाता है जिसने उसे यह सुख दिया है। परंतु जैसे ही विपत्ति आती है, वह ईश्वर की ओर दौड़ता है। वास्तविक भक्ति वह नहीं जो केवल संकट के समय याद आए,

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक
व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा
महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

बल्कि वह है जो जीवन के प्रत्येक क्षण में, उठते-बैठते, सोते-जागते और श्वास-प्रश्वास में प्रभु की स्मृति को बनाए रखे। भक्ति कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसे केवल मंदिर में जाकर किया जाए, बल्कि यह एक 'निरंतर अभ्यास' है। जीवन की प्रत्येक परिस्थिति, चाहे वह अत्यधिक प्रसन्नता की हो या गहन शोक की, प्रभु की स्मृति अखंड बनी रहनी चाहिए। शास्त्र कहते हैं कि जिस प्रकार एक माता अपने कार्य करते हुए भी अपने छोटे बालक का ध्यान हृदय में रखती है, उसी प्रकार हमें संसार के दायित्वों को निभाते हुए भी प्रभु के चरणों का स्मरण बनाए रखना चाहिए।

जब हम सुख में भी प्रभु को याद रखते हैं, तो हमारा अहंकार नष्ट हो जाता है और हम यह समझ पाते हैं कि यह सुख भी प्रभु की ही कृपा का प्रसाद है। ऐसा अभ्यास हमें मानसिक रूप से इतना सुदृढ़ बना देता है कि आने वाले दुख हमें विचलित नहीं कर पाते। जीवन में परिस्थितियों का बदलना अनिवार्य है, क्योंकि संसार परिवर्तनशील है। परंतु इन बदलती स्थितियों के बीच प्रभु पर अडिग विश्वास ही सुख का असली मूल है।

अक्सर समस्याएं हमारे सामने पर्वत के समान विशाल और अभेद्य प्रतीत होती हैं। हम अपनी सीमित बुद्धि और शक्ति

से उनका सामना करने का प्रयास करते हैं और थक जाते हैं। लेकिन जब हम पूर्ण समर्पण (Surrender) के साथ उस प्रभु की शरण ग्रहण करते हैं, तो हमारी दृष्टि बदल जाती है। हमें आभास होता है कि जिसे हम 'पहाड़' समझ रहे थे, वह प्रभु की असीम शक्ति के सामने एक धूल के कण के समान नगण्य है। विश्वास वह डोरी है जो हमें प्रभु की अजेय शक्ति से जोड़ देती है। हमारे पुराणों में प्रभु को 'शरणागत वत्सल' और 'प्रणतपाल' कहा गया है। इसका अर्थ है—वह जो अपनी शरण में आए हुए की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। भगवान श्री कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाना केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि पूर्ण शरणागति का जीवंत उदाहरण है। जब इंद्र के कोप से ब्रजवासी त्राहि-त्राहि कर रहे थे और भारी वर्षा की समस्या उनके लिए काल बनकर आई, तब उन्होंने अपनी बुद्धि या शक्ति पर भरोसा न कर केवल 'श्री गोवर्धन नाथ' की शरण ली। परिणामस्वरुप, प्रभु ने उस विशाल पर्वत को अपने बाएं हाथ की कनिष्ठिका (छोटी उंगली) पर खेल-खेल में ही उठा लिया। हमारी समस्याएं हमारे लिए बहुत बड़ी हो सकती हैं क्योंकि हमारा दृष्टिकोण छोटा है, लेकिन उस विराट पुरुष के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। यदि हम भी ब्रजवासियों की भाँति अपने अहंकार और 'मैं' के भाव को त्यागकर प्रभु के चरणों में समर्पित हो जाएं, तो हमारे जीवन के दुखों का पहाड़ भी प्रभु सहजता से उठा लेते हैं।

अपने विचार

प्रधानमंत्री भी अभी इजरायल गए थे। आपने तो केवल एडवाइजरी जारी कर दी। गल्फ देशों में कुल मिलाकर 10 मिलियन (1 करोड़) लोग हैं। आप बताएं कि आखिर किसको नुकसान होगा। ये लोग अपने खून-पसीने की कमाई भारत में भेजते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी
अध्यक्ष,AIMIM

उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इजराइली संसद को संबोधित करते हुए गाजा में हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के 'नरसंहार' का उल्लेख करेंगे तथा उनके लिए न्याय की मांग करेंगे।

प्रियंका गांधी वाड्रा
सांसद, कांग्रेस

सीबीआई को पता था कि दोष सिद्ध करने के लिए उनके पास कोई सबूत मौजूद नहीं है। केजरीवाल ने 126 दिन और मनीष सिसोदिया ने 503 दिन जेल में बिताए। इसकी भरपाई कौन करेगा? किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए?

कपिल सिब्बल
राज्यसभा सांसद

बेंजामिन नेतन्याहू ने अब भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला बोल दिया है। यह प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से लौटने के बमुश्किल दो दिन के बाद हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के बारे में तमाम दिखावे के बाद, मोदी ने अपनी इजराइल यात्रा का उपयोग इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया? क्या वह इस युद्ध का समर्थन करते हैं?

पवन खेड़ा
मीडिया प्रमुख
कांग्रेस

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंब्रा बाईपास पर प्रशासन की सफल मॉक ड्रिल

ठाणे। शनिवार सुबह मुंब्रा के खादिमशीन रोड स्थित फकीरी शाह दरगाह के पास प्रशासन द्वारा एक 'कलरफुल ट्रेनिंग' यानी मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया, जिसमें मुंब्रा बाईपास पर पहाड़ खिसकने और उसमें लोगों के फंसने की काल्पनिक स्थिति निर्मित की गई थी। सुबह लगभग साढ़े सात बजे घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ (NDRF) की टीम रेस्क्यू डॉग और विशेष वाहनों के साथ मौके पर पहुँची, जहाँ ठाणे मनपा के आपदा प्रबंधन विभाग, फायर ब्रिगेड, मुंब्रा पुलिस, राजस्व विभाग, टोरेंट पावर और एम्बुलेंस सेवाओं ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा के समय विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और प्रतिक्रिया समय को परखना था, जिसमें फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का सफल अभ्यास किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक प्रशिक्षण अभ्यास था और इसमें कोई भी वास्तविक रूप से घायल नहीं हुआ है।

बांद्रा टर्मिनस और गोरखपुर के बीच चलेगी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

मुंबई। होली के त्यौहार के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ और बढ़ती मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस और गोरखपुर के बीच एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक के अनुसार, ट्रेन संख्या 09019 बांद्रा टर्मिनस से रविवार, 1 मार्च 2026 को सुबह 08:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात 20:40 बजे गोरखपुर पहुँचेगी, जबकि वापसी में ट्रेन संख्या 09020 सोमवार, 2 मार्च 2026 को गोरखपुर से रात 23:35 बजे चलकर बुधवार सुबह बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। जनरल सेकंड क्लास कोच वाली यह ट्रेन उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच यात्रा करने वाले आम यात्रियों के लिए एक बड़ा सहारा बनेगी, जो बोरीवली, वापी, सूरत (उधना), रतलाम, झांसी, कानपुर और लखनऊ जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए अपना सफर तय करेगी।

'नारी शक्ति' का महाकुंभ

- 7 से 9 मार्च तक रंगोली, मेहंदी और साइकिल रैली की धूम
- रणरागिनी अवॉर्ड से सजेगी शाम

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका (TMC) इस बार विश्व महिला दिवस (8 मार्च) को बेहद खास और भव्य तरीके से मनाने जा रही है। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में महिलाओं के लिए खेल, कला, स्वास्थ्य और सम्मान का एक पूरा 'कैलेंडर' तैयार किया गया है।

जश्न की शुरुआत शनिवार से ही हो जाएगी। मनपा मुख्यालय में सुबह 11 बजे से रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता होगी। रंगोली का विषय 'भारतीय त्योहार' रखा गया है। वहीं, वर्तकनगर के स्कूल नंबर 44 में निबंध प्रतियोगिता होगी, जिसमें महिलाएं 'डिजिटल इंडिया और सोशल मीडिया' जैसे आधुनिक विषयों पर अपने विचार साझा करेंगी। आशा कार्यकर्ताओं के लिए भी अलग से प्रतियोगिता रखी गई है।

सेहत का 'सुरक्षा कवच' और सम्मान

महिला दिवस पर ठाणे की महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में फ्री हेल्थ कैंप लगेंगे, जहाँ हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर और बीपी की जांच होगी। विशेष रूप से 8 और 9 मार्च को मैमोग्राफी वैन उपलब्ध रहेगी ताकि कैंसर जैसी बीमारियों की समय पर जांच हो सके। इसी दिन साइकिलिस्ट मंगला पाई को 'रणरागिनी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से नवाजा जाएगा।

8 मार्च: जोश और जुनून की 'साइकिल रैली'

रविवार की सुबह ठाणे की सड़कों पर 'आम्ही साईकलप्रेमी फाउंडेशन' के साथ मिलकर एक भव्य साइकिल रैली निकाली जाएगी। यह रैली साढ़े तीन और साढ़े छह किलोमीटर की होगी। इसके बाद मुख्यालय के नरेंद्र बल्लाल हॉल में कॉस्ट्यूम कॉम्पिटिशन, साइकिल डेकोरेशन और 'उखाना' प्रतियोगिता (मराठी पारंपरिक काव्य शैली) का आनंद लिया जाएगा।

9 मार्च: गडकरी रंगायतन में पुरस्कारों की गूँज

सोमवार को राम गणेश गडकरी रंगायतन में समापन समारोह होगा। यहाँ विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सर्टिफिकेट बांटे जाएंगे और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इनाम दिए जाएंगे। इसके बाद मनपा की महिला कर्मचारियों के लिए एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Program) पेश किया जाएगा, जो उनकी प्रतिभा को मंच देगा।

मनपा ने प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टर्स के खिलाफ की सख्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में प्रवेश करते ही ठाणे मनपा ने टैक्स न भरने वालों के खिलाफ अपना रुख कड़ा कर लिया है। आयुक्त सौरभ राव के स्पष्ट निर्देशों के बाद, विभाग ने बकायादारों की संपत्तियों पर कार्रवाई तेज कर दी है। प्रशासन ने अब एक नया कदम उठाते हुए निर्णय लिया है कि जो लोग बार-बार चेतावनी के बाद भी टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं, उनके नाम मीडिया में सार्वजनिक किए जाएंगे।

छुट्टियों में भी खुले रहेंगे टैक्स संग्रह केंद्र

करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, मनपा ने 31 मार्च 2026 तक सभी शनिवार और रविवार को टैक्स कलेक्शन सेंटर खुले रखने का फैसला किया है। अब शहर के सभी 21 प्रभाग समिति स्तर के केंद्रों पर शनिवार को सुबह 10.30 से शाम 4.30 बजे तक और रविवार को सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक टैक्स जमा किया जा सकता है। यह विशेष व्यवस्था उन कामकाजी नागरिकों के लिए की गई है जो सप्ताह के दिनों में व्यस्तता के कारण कार्यालय नहीं पहुंच पाते, जिससे वे सार्वजनिक छुट्टियों का लाभ उठाकर अपनी कानूनी जिम्मेदारी पूरी कर सकें।

डिजिटल भुगतान और व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा

आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देते हुए ठाणे मनपा ने कर भुगतान की प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया है। नागरिक अब मनपा की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा Google Pay, PhonePe और BHIM जैसे यूपीआई ऐप्स के जरिए भी भुगतान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एक समर्पित व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर (+91 2225331590) भी जारी किया गया है, जहाँ करदाता आसानी से अपना बकाया देख सकते हैं और टैक्स जमा कर सकते हैं।

दौंड-कलबुर्गी स्पेशल ट्रेनें अब 15 जुलाई तक भरेंगी फर्राटा

सोलापुर। मध्य रेल ने होली के त्योहार और गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दौंड और कलबुर्गी के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की सेवा को अब जुलाई तक बढ़ा दिया है। अब ये ट्रेनें 28 फरवरी के बाद बंद नहीं होंगी, बल्कि 15 जुलाई 2026 तक अपनी सेवाएं देती रहेंगी।

हफ्ते में 5 दिन वाली स्पेशल (196 ट्रिप)

ट्रेन नंबर 01421/01422 (दौंड-कलबुर्गी अनरिज़र्व्ड डेली स्पेशल), जो पहले फरवरी तक ही चलने वाली थी, अब हफ्ते में 5 दिन (गुरुवार और रविवार को छोड़कर) चलती रहेगी। इसके कुल 196 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) लगाए जाएंगे।

हफ्ते में 2 दिन वाली स्पेशल (78 ट्रिप)

गुरुवार और रविवार की कमी को पूरा करने के लिए ट्रेन नंबर 01425/01426 को भी विस्तार दिया गया है। यह ट्रेन हर गुरुवार और रविवार को दौड़ेगी। इसके कुल 78 अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे। यानी अब हफ्ते के सातों दिन इन स्पेशल ट्रेनों का लाभ उठाया जा सकता है।

सोलापुर रेलवे की 'हाई-वोल्टेज' तैयारी

सोलापुर डिवीजन को मिला 11वां टावर वैगन

सोलापुर। सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने अपनी पटरियों पर बिजली की रफ्तार और सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे के ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभाग में एक हाई-टेक 8-व्हीलर टावर वैगन को शामिल किया गया है। इस एडवांस्ड वैगन का उद्घाटन सोलापुर के अपर मंडल रेल प्रबंधक ने बिजली और TRD विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में किया।

भविष्य की तैयारी

अभी तक हमारी ट्रेनें पारंपरिक 1×25 kV बिजली सिस्टम पर चलती हैं। लेकिन आने वाले समय में जब गाड़ियों की संख्या और उनकी स्पीड बढ़ेगी, तो ज्यादा पावर की जरूरत होगी। यह नया टावर वैगन रेलवे को 2×25 kV AC ट्रैक्शन सिस्टम (एडवांस्ड बिजली नेटवर्क) में अपग्रेड करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। यह डिवीजन को अगली पीढ़ी के रेल ऑपरेशन्स के लिए 'फ्यूचर-रेडी' बना रहा है।

8 पहियों वाली 'सुपर स्टेबिलिटी'

पुराने टावर वैगन्स के मुकाबले यह 8-व्हीलर वैगन ज्यादा स्थिर (Stable) है। इसका डिज़ाइन ऐसा है कि मेंटेनेंस टीमें ऊंचे ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) तारों पर चढ़कर ज्यादा सुरक्षित और तेजी से काम कर सकेंगी। इसमें सुरक्षा के ग्लोबल स्टैंडर्ड्स का ध्यान रखा गया है, ताकि काम के दौरान किसी हादसे का डर न रहे।

सोलापुर डिवीजन की बढ़ी 'ताकत'

इस नए मेहमान के आने के बाद अब सोलापुर डिवीजन के पास कुल 11 टावर वैगन हो गए हैं। इसका मतलब है कि अब बिजली के तारों का इंस्पेक्शन (जांच) और मेंटेनेंस ज्यादा बार और ज्यादा बारीकी से हो सकेगा। जितनी बेहतर जांच होगी, बिजली गुल होने या तार टूटने की घटनाएं उतनी ही कम होंगी।

'केमिकल' वाली होली को 'ना'

रंगों के उल्लास में सेहत का न हो नुकसान: जिला सिविल सर्जन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर में रंगपंचमी की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन इस बार रंगों के उल्लास के साथ-साथ सेहत और पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश भी गूँज रहा है। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और पर्यावरण विशेषज्ञों ने ठाणेकरों से 'सावधान' रहने और 'ज़िम्मेदार' तरीके से त्योहार मनाने की पुरज़ोर अपील की है। बाजारों में मिलने वाले चमकीले रंगों में लेड, क्रोमियम और कॉपर सल्फेट जैसे घातक तत्व होते हैं। डॉ. कैलाश पवार ने आगाह किया है कि ये केमिकल न केवल त्वचा पर खुजली और सूजन पैदा करते हैं, बल्कि आंखों में जाने पर रोशनी तक कम कर सकते हैं। अगर इनकी धूल सांस के जरिए शरीर में चली जाए, तो अस्थमा के मरीजों की जान पर बन सकती है।

बच्चों और बुजुर्गों का रखें खास ख्याल

केमिकल रंगों का सबसे बुरा असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की नाजुक त्वचा पर होता है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि जिन लोगों को पहले से स्किन की एलर्जी है, उन्हें रंगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। साथ ही, किसी भी अनजान व्यक्ति पर जबरदस्ती रंग डालना न केवल असुरक्षित है, बल्कि यह विवाद का कारण भी बन सकता है।

'किचन' से निकालें असली रंग

डॉ. कैलाश पवार ने सलाह दी है कि हम पुराने ज़माने की तरह प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें। हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल और पालक से हरा रंग बनाना सबसे सुरक्षित विकल्प है। फूलों की पंखुड़ियों से बनी होली न केवल इको-फ्रेंडली है, बल्कि इससे पानी का प्रदूषण भी नहीं होता और स्किन चमकती रहती है।

18 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों की घोषणा

मुंबई। आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ और सुविधा को देखते हुए मध्य रेल ने मुंबई (सीएसएमटी/एलटीटी) से मडगांव एवं हटिया और पुणे से दानापुर के बीच 18 अतिरिक्त होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन सेवाओं में सीएसएमटी-मडगांव एसी स्पेशल (4 सेवाएं), एलटीटी-मडगांव स्पेशल (4 सेवाएं), एलटीटी-हटिया स्पेशल (4 सेवाएं) और पुणे-दानापुर स्पेशल (6 सेवाएं) शामिल हैं, जो मार्च 2026 के पहले और दूसरे सप्ताह में विभिन्न तिथियों पर संचालित की जाएंगी। ये ट्रेनें दादर, ठाणे, पनवेल, रत्नागिरी, नासिक रोड, भुसावल, नागपुर और इटारसी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेंगी, जिनमें एसी 2-टियर, 3-टियर, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बों की विस्तृत संरचना उपलब्ध होगी।

ठाणे को 'चकाचक' करने के लिए डीप क्लीन ड्राइव शुरू

- वार्ड नंबर 2 की सड़कों को पानी से धोया, महापौर ने खुद संभाली कमान
- शिकायतों पर 'ऑन द स्पॉट' कार्रवाई के निर्देश

ठाणे। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर के नेतृत्व में ठाणे को 'चकाचक' करने का मिशन पूरे जोर-शोर से जारी है। शनिवार को वार्ड नंबर 2 में 'डीप क्लीन ड्राइव' चलाकर न केवल सड़कों की धूल साफ की गई, बल्कि प्रशासन और नागरिकों ने मिलकर शहर को स्वच्छ रखने की सामूहिक शपथ भी ली। वार्ड नंबर 2 में सफाई अभियान का आगाज एक पवित्र संकल्प के साथ हुआ।

झाड़ू के बाद 'वॉशिंग' का तड़का

डीप क्लीन ड्राइव की खासियत यह रही कि सिर्फ कचरा ही नहीं हटाया गया, बल्कि सड़कों पर जमी धूल को हटाने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया गया। सड़कों को पूरी तरह धोकर उन्हें नया जैसा चमका दिया गया।

इन इलाकों में चला 'सफाई का बुल्डोजर'

अभियान के तहत वार्ड नंबर 2 के चप्पे-चप्पे की खाक छानी गई। मुख्य रूप से ऋतु एस्टेट से काबरा सर्किल और महाराणा प्रताप चौक। आजादनगर सर्किल से श्री माँ स्कूल और रोडाज सोसायटी परिसर। पातलीपाड़ा ब्रिज से चिमा बाबू दलवी चौक और देव भक्ति सोसायटी। ब्रह्मांड सर्किल मेन रोड और शिवनेरी सोसायटी जैसे रिहायशी इलाकों में व्यापक झाड़ू लगाई गई।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

नक्षत्र कमजोर हो तो क्या करें? सरल मंत्र उपाय

यदि नक्षत्र निर्बल हो जाये तो यह अपने ही परिवार के लोगों को बैरी बनाने लगता है। मित्र शत्रु बनने लगते हैं आपकी कुंडली से जुड़े इस जन्म नक्षत्र को बलिष्ठ करने के लिए एक बहुत ही सरल और अचूक उपाय है। वह अचूक उपाय है

प्रियंका जैन
9769994439

भरणी नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों को चन्द्रमा के गोचर काल में ₹ॐ ह्रीं₹ मंत्र का जाप एक माला अर्थात 108 बार करना चाहिए। यह मंत्र सभी विपत्ति व् बाधाओं को दूर करता है।

कृतिका व उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा का गोचर काल में गायत्री मंत्र ₹ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्॥₹ का जाप करना चाहिए। सभी बाधाएं दूर होंगी।

रोहिणी व मृगशिरा नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल में ₹ॐ ऋं, ॐ ल्रंं₹ मंत्र का जाप एक माला अर्थात 108 बार करना चाहिए। यह अनिष्ट प्रभावों को दूर कर शुभ फल प्रदान करता है।

आर्द्रा, मघा, अश्लेषा, पूर्वाफाल्गुनी व अभिजित नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल में भगवान् शिव के पंचाक्षरी मंत्र ₹ॐ नमःशिवाय₹ का एक माला जाप करना चाहिए। इससे सभी दोष दूर होते हैं।

पुनर्वसु ,पुष्य, हस्त व अनुराधा नक्षत्र - ₹ॐ₹ मंत्र का एक माला जाप चन्द्रमा के गोचर काल में करने से सभी प्रकार के क्लेश दूर होते हैं।

चित्रा, मूल, धनिष्ठा व स्वाति नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ ऐं ह्रीं क्लीं सरस्वत्यै नमः₹ मंत्र का एक माला जाप जातक को शुभ फल दायी होता है।

विशाखा नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ यम् या ॐ राम₹ का एक माला तक जाप जातक के पापत्व मिटाकर शुभता बढ़ाते हैं।

ज्येष्ठा नक्षत्र - इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ धं₹ मंत्र का एक माला जाप लाभप्रद होता है।

पूर्वाषाढ़ नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ बँ₹ मंत्र का एक माला जाप करने से सुख व सफलता की प्राप्ति होती है।

उत्तराषाढ़ व श्रवण नक्षत्र - इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ भाम्₹ मंत्र का एक माला जाप समस्त परेशानियों को दूर कर आरोग्य व् यश की वृद्धि करता है।

प्रदेश सरकार ने 42 जनपदों के लिए जारी किया फरमान

आठ मार्च से पहले सक्रिय करें शौचालय

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की तैयारी में जुटी योगी सरकार
- स्वच्छता संग बिजली-पानी का भी इंतजाम करने का निर्देश

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने 42 जनपदों के सरकारी विद्यालयों में स्थापित शौचालयों को 8 मार्च तक पूर्णतः क्रियाशील करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्तर से जारी किए गए हैं। निर्धारित समय-सीमा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर से पूर्व रखी गई है।

मानकों का अनुपालन अनिवार्य

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि केवल निर्माण कार्य पूर्ण होना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। सभी शौचालयों में स्वच्छता, नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था, जलापूर्ति, आवश्यकतानुसार विद्युत सुविधा तथा सुरक्षित दरवाजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है। संबंधित विभागों को इन मानकों का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा गया है। सरकार के अनुसार, अभियान का विशेष फोकस छात्राओं के लिए पृथक एवं सुरक्षित शौचालयों की उपलब्धता पर है। विभागीय आकलन में पाया गया है कि कार्यशील और स्वच्छ शौचालय सुविधा से छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि तथा ड्रॉपआउट दर में कमी लाने में सहायता मिलती है।

ANI

अपलोड होंगी शौचालयों की फोटो

निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरणा पोर्टल पर प्रत्येक विद्यालय से शौचालयों के अंदर और बाहर की अद्यतन तस्वीरें अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। इसके माध्यम से शासन स्तर पर वास्तविक समय (रियल-टाइम) मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों का भौतिक सत्यापन कराने तथा जहां मरम्मत, जल कनेक्शन या अन्य सुधार की आवश्यकता हो, वहां तत्काल कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। साथ ही आवश्यक वित्तीय संसाधन और बजट उपलब्ध कराने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

कैंटोनमेंट हास्पिटल्स में भी चलेगा आयुष्मान कार्ड

- पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अभी सिर्फ प्रयागराज में उपलब्ध है सुविधा
- अनुबंध के पश्चात सूबे के सभी 13 अस्पतालों में उपलब्ध होगी व्यवस्था

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों को प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में उपचार सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्तमान में यह सुविधा केवल प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में संचालित है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। जनवरी से प्रयागराज स्थित अस्पताल में आयुष्मान कार्डधारकों को निशुल्क उपचार दिया जा रहा है। यहां कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित गंभीर रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

MoU की तैयारी में साची

इस व्यवस्था के विस्तार के लिए स्टेट हेल्थ एजेंसी – स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) – द्वारा 12 अन्य कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए जाने की तैयारी पूरी की जा रही है। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना स्थित कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी योजना के लाभार्थियों का उपचार संभव होगा।

पोर्टल से जुड़ेंगे कैंटोनमेंट अस्पताल

साचीज की ओर से बताया गया है कि इन अस्पतालों को आयुष्मान योजना के डिजिटल पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों के पंजीकरण, उपचार अनुमोदन, बिलिंग और क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया मानकीकृत और समयबद्ध ढंग से संचालित हो सके। योजना के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं।

UP में पुलिस कर्मियों की छुट्टियां निरस्त

- एक से सात मार्च तक नहीं मिलेगा कोई अवकाश
- होली के मद्देनजर डीजीपी ने जारी किया आदेश

एजेंसी | लखनऊ

होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस ने 1 मार्च से 7 मार्च तक समस्त पुलिसकर्मियों की स्वीकृत छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। यह आदेश पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण द्वारा जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, त्योहार के दौरान बल की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी इकाइयों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता

मुख्यालय स्तर से जारी दिशा-निर्देशों में संवेदनशील और पूर्व में विवादित रहे स्थलों की विशेष पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने को कहा।

सोशल मीडिया की निगरानी के निर्देश

इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सतत मॉनिटरिंग के आदेश दिए गए हैं। अफवाह, भ्रामक सूचना या साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध तत्काल विधिक कार्रवाई करने को कहा गया है। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि किसी भी संभावित तनाव की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए। होलिका दहन स्थलों पर पूर्व-निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था लागू करने, भीड़ प्रबंधन की योजना तैयार रखने तथा स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी शामिल हैं।

सरकार से लड़ना छोड़ सही राह दिखाएं शंकराचार्य: राजभर

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने धार्मिक पदाधिकारियों की सार्वजनिक टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शंकराचार्य का दायित्व धर्म का प्रचार-प्रसार और अनुयायियों का मार्गदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी संत या धार्मिक पदाधिकारी को सरकार या संवैधानिक पदों के विरुद्ध अनावश्यक बयानबाजी से बचना चाहिए। शनिवार को सुलतानपुर में आयोजित समन्वय समिति की बैठक में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में विधिक कार्रवाई होती है तो उसका परीक्षण न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत होता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में भी संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज हुए थे, इसलिए किसी एक राजनीतिक दल या सरकार को लक्षित करना उचित नहीं है।

अवैध, जहरीली शराब बिकी तो खैर नहीं

- शराब और भांग की दुकानों की नियमित निगरानी का फरमान जारी
- मुख्य सचिव ने सूबे के सभी डीएम व एसएसपी के साथ की बैठक

एजेंसी | लखनऊ

होली पर्व से पूर्व आबकारी एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने अवैध एवं जहरीली शराब के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि किसी भी जनपद में अवैध मदिरा के सेवन से जनहानि या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

अंतरराज्यीय सीमा पर विशेष सतर्कता

मुख्य सचिव ने शराब की लाइसेंसी दुकानों, ढाबों तथा अन्य संभावित बिक्री स्थलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अधिक दर पर बिक्री, अवैध भंडारण या बिना अनुमति संचालन की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। अंतरराज्यीय सीमाओं पर विशेष सतर्कता, सघन चेकिंग और संदिग्ध वाहनों की जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। आबकारी, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अवैध निर्माण इकाइयों पर त्वरित कार्रवाई की जाए और आपूर्ति श्रृंखला को प्रारंभिक स्तर पर ही बाधित किया जाए।

समन्वित कार्ययोजना को बनाएं प्रभावी

इसके अलावा अधिकृत भांग दुकानों पर गांजा की अवैध बिक्री रोकने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन को अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने तथा त्योहार के दौरान शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए समन्वित कार्ययोजना लागू करने को कहा गया है। इसके लिए संवेदनशील जिलों की पहचान कर विशेष निगरानी, संयुक्त प्रवर्तन अभियान और विभागीय समन्वय को अनिवार्य किया गया है। आबकारी, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अवैध निर्माण इकाइयों पर त्वरित कार्रवाई की जाए और आपूर्ति श्रृंखला को प्रारंभिक स्तर पर ही बाधित किया जाए।

व्यापार जगत

जैविक उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

- एपीडा व सिक्किम सरकार के सहयोग से इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी | नई दिल्ली

गंगटोक। सिक्किम के प्रमाणित जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने सिक्किम सरकार और IFOAM – Organics Asia के सहयोग से 27-28 फरवरी को गंगटोक में 'सिक्किम ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव-सह-अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' आयोजित किया। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के जैविक निर्यात तंत्र को सुदृढ़ करना तथा उत्पादकों और वैश्विक खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित करना था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन के दौरान सिक्किम के जैविक उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला, गुणवत्ता मानकों और निर्यात तैयारी पर आधारित एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट जारी की गई। इस पहल को राज्य के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और अंतरराष्ट्रीय आयातकों के बीच संरचित व्यावसायिक संवाद की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

17 देशों के खरीदारों ने की भागीदारी

सिसम्मेलन में दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, मंगोलिया, सऊदी अरब, ओमान, सिंगापुर, नॉर्वे, कुवैत और ब्रिटेन सहित 17 देशों के लगभग 40 विदेशी खरीदारों ने भागीदारी की। इसके अतिरिक्त एनसीईएल, बेसिलिया ऑर्गेनिक्स, फ्लेक्स फूड्स और नेक्स्टन जैसे लगभग 20 भारतीय निर्यातकों ने सिक्किम के करीब 100 एफपीओ के साथ पूर्व-निर्धारित बी2बी बैठकों में हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, सिक्किम सरकार के कृषि मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में बड़ी इलायची, जीआई-टैग प्राप्त डल्ले खुर्सानी, सिक्किम मैंडारिन, हल्दी, कुक्कुट उत्पाद और ऑर्किड सहित 12 प्रदर्शकों ने राज्य के विविध जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि सिक्किम वर्ष 2016 में देश का पहला पूर्णतः जैविक राज्य घोषित हुआ था तथा वर्ष 2018 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा 'फ्यूचर पॉलिसी गोल्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया था।

पवन ऊर्जा: महाराष्ट्र में लगेगी 178.2 मेगावाट की इकाई

- गेल इंडिया लिमिटेड ने 1736.25 करोड़ निवेश को दी मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने महाराष्ट्र में 178.2 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 1,736.25 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। यह निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल की हालिया बैठक में लिया गया। परियोजना को अनुबंध आवंटन की तिथि से 24 माह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।गेल देश की प्रमुख प्राकृतिक गैस पारेषण एवं विपणन कंपनी है

117.95 मेगावाट की क्षमता मौजूद

कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, प्रस्तावित परियोजना से उसके मौजूदा नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार होगा। वर्तमान गेल के पास 117.95 मेगावाट की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता है।

यूपी, एमपी में भी पवन ऊर्जा परियोजना

इसके अतिरिक्त कंपनी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कुल 27 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन भी कर रही है। यह निवेश कंपनी की दीर्घकालिक ऊर्जा संक्रमण रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वर्ष 2035 तक 'नेट ज़ीरो' कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार को कंपनी अपने ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में रणनीतिक कदम के रूप में देख रही है।

फेरो क्रोम संयंत्र का अधिग्रहण पूरा

- 707 .26 करोड़ रुपये में इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलायज ने किया है सौदा

एजेंसी | भुवनेश्वर

इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज लिमिटेड (आईएमएफए) ने ओडिशा के जाजपुर जिले स्थित कलिंगनगर में टाटा स्टील लिमिटेड के फेरो क्रोम संयंत्र का अधिग्रहण औपचारिक रूप से पूरा कर लिया है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में बताया कि यह सौदा 707.26 करोड़ रुपये में संपन्न हुआ।

1.5 लाख टन होगी क्षमता

आईएमएफए के अनुसार संयंत्र में प्रस्तावित पांचवीं भट्टी का निर्माण कार्य आंशिक रूप से लंबित है, जिसे लगभग एक वर्ष में पूर्ण करने की योजना है।

115 एकड़ में फैला है संयंत्र

15 एकड़ क्षेत्र में फैले इस संयंत्र में वर्तमान में चार भट्टियां संचालित हैं, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 1,00,000 टन है। अधिग्रहण की कुल राशि में 610 करोड़ रुपये की मूल कीमत के अतिरिक्त वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा कार्यशील पूंजी से संबंधित घटक शामिल हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इस लेनदेन का वित्तपोषण पूर्णतः आंतरिक संसाधनों से किया गया है।

भारत से पश्चिम एशिया की उड़ानें स्थगित

- एयर इंडिया और इंडिगो ने सुरक्षा के मद्देनजर लिया फैसला
- ईरान-इजराइल के बीच टकराव बढ़ने के कारण मची उथल-पुथल

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच टकराव बढ़ने के बाद कई प्रमुख विमानन कंपनियों ने पश्चिम एशिया के लिए अपनी व्यावसायिक उड़ानों को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण क्षेत्र में सुरक्षा स्थितियों में अप्रत्याशित उथल-पुथल और हवाई मार्गों पर बढ़ते जोखिम को बताया जा रहा है।

भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने अपनी सभी पश्चिम एशिया-निर्देशित सेवाओं को भारतीय मानक समयानुसार मध्यरात्रि तक रद्द कर दिया है। कंपनी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे उड़ान की यात्रा से पहले अपनी टिकट की स्थिति की पुष्टि कर लें और आवश्यक होने पर वैकल्पिक व्यवस्था या धनवापसी के विकल्प पर विचार करें। इंडिगो ने स्पष्ट किया है कि इसका उद्देश्य यात्री तथा विमान चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और परिचालन को बदलते परिवेश के अनुरूप पुनः समायोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में एयर इंडिया सहित अन्य एयरलाइनों ने भी अपने पैसेंजर एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को संभावित देरी, रूट परिवर्तन या उड़ान रद्द होने की जानकारियों के लिए नियमित अपडेट देखने का निर्देश दिया है।

सलाह के साथ देनी होगी पंजीकरण की जानकारी

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निवेश संबंधी सामग्री के प्रकाशन को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से नए प्रकटीकरण मानदंड जारी किए हैं। नियामक के अनुसार, सभी सेबी-पंजीकृत संस्थाओं और उनके अधिकृत एजेंटों को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया खातों पर पंजीकृत नाम और सेबी पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी।

भारत-विंडीज जीत के लिए झोंकेंगे जान

क्वार्टर फाइनल की तरह होगा दोनों के बीच सुपर आठ का मुकाबला

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डंस में टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच सुपर आठ का मुकाबला किसी फाइनल से कम नहीं होगा। जो टीम जीतेगी, वह सीधे सेमीफाइनल में जगह बना लेगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर यहीं समाप्त हो जाएगा। ऐसे में दोनों पक्ष जीत के लिए पूरा जोर लगाने को तैयार हैं।

इंग्लैंड से टक्कर का मौका

इस मैच के विजेता को पांच मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का अवसर मिलेगा। बड़े मुकाबले की संभावना ने इस भिड़ंत को और भी रोमांचक बना दिया है। दबाव के बीच जो टीम संयम और संतुलन बनाए रखेगी, वही आगे बढ़ेगी।

बल्लेबाजी ने पकड़ी लय

पिछले मैच में फेरबदल के बाद भारतीय बल्लेबाजी फिर से अपने पुराने रंग में नजर आई। जिम्बाब्वे के खिलाफ शीर्ष क्रम ने शानदार वापसी की और टीम को मजबूत शुरुआत दी। चोटी के सभी छह बल्लेबाजों ने योगदान देकर टीम प्रबंधन का भरोसा मजबूत किया।संजू और अभिषेक ने आक्रामक अंदाज में पारी की नींव रखी। अभिषेक ने अर्धशतक जड़कर दमदार वापसी की, जबकि तिलक ने नंबर छह की नई भूमिका में आक्रामक बल्लेबाजी कर सबको प्रभावित किया। हार्दिक ने भी अंत में तेजी दिखाई। कप्तान सूर्य और ईशान ने छोटी मगर असरदार पारियां खेलकर स्कोर को मजबूती दी।टीम इंडिया ईडन गार्डंस में 15 साल से अजेय है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 30
भारत जीता	: 19
वेस्टइंडीज जीता	: 10
बेनतीजा	: 01

गेंदबाजी अब भी चिंता का कारण

हालांकि बल्लेबाजी में सुधार दिखा है, लेकिन गेंदबाजी अभी भी टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अर्शदीप ने अच्छी गेंदबाजी की और बुमराह-हार्दिक ने भी प्रभाव छोड़ा, लेकिन चक्रवर्ती की फिरकी पहले जैसी धार नहीं दिखा पा रही। वह लेंथ नियंत्रित करने में संघर्ष कर रहे हैं और अधिक प्रयोग उन्हें महंगा पड़ रहा है।

दुबे की अनियमितता पर सवाल

ऑलराउंडर शिवम दुबे का प्रदर्शन भी टीम प्रबंधन के लिए चिंता बढ़ा रहा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने दो ओवर में 46 रन लुटा दिए, जिसमें एक ओवर में चार वाइड और दो नोबॉल शामिल थीं। ईडन की पिच पर उनकी मध्यम गति की गेंदबाजी वेस्टइंडीज के खिलाफ जोखिम भरी साबित हो सकती है।

पेस तिकड़ी से उम्मीदें

ईडन गार्डंस की पिच पर हल्की घास रहने की संभावना है, जिससे बुमराह, अर्शदीप और हार्दिक की पेस तिकड़ी को मदद मिल सकती है। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए खासकर गेंदबाजों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की दरकार होगी, क्योंकि जरा सी भी चूक भारी पड़ सकती है।

वेस्टइंडीज की स्पष्ट रणनीति

वेस्टइंडीज ने टूर्नामेंट में अब तक संतुलित और रणनीतिक खेल दिखाया है। शुरुआती ओवरों में संयम और बाद में आक्रामक रुख अपनाना उनकी सफलता का सूत्र रहा है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई है, जिसका उदाहरण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शेफर्ड की नाबाद अर्धशतकीय पारी रही। हेटमायर को नंबर तीन पर भेजने का फैसला भी सफल रहा है। सूखी पिच को देखते हुए बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है।

नंबर गेम

04	मैच विश्व कप में दोनों ने खेले हैं जिसमें से भारत ने एक और वेस्टइंडीज ने तीन जीते हैं
10	10 साल बाद दोनों टीमें विश्व कप में टकराएंगी। पिछली बार 2016 में विंडीज ने भारत को सात विकेट से धोया था
12	12 साल पहले भारत ने विंडीज के खिलाफ विश्व कप की अपनी एकमात्र जीत 2014 में सात विकेट से दर्ज की थी

टी-20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार दक्षिण अफ्रीका को हराना चाहेगी जिम्बाब्वे

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 51वें मुकाबले में जिम्बाब्वे का सामना दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से होगा। जिम्बाब्वे सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन वह इस टूर्नामेंट में अपना आखिरी मुकाबला जीतकर सम्मानजनक विदाई लेना चाहेगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने सुपर-8 चरण में अब तक अपने सभी मुकाबले जीते हैं। ऐसे में यह मुकाबला उनके लिए अंतिम-4 से पहले तैयारियों को परखने का बेहतरीन मौका होगा।

इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है जिम्बाब्वे

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट कमाल के फॉर्म में हैं। अब तक उन्हें किसी भी मैच में कोई भी गेंदबाज आउट नहीं कर पाया है। वह इसी फॉर्म को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी जारी रखना चाहेंगे। टीम के गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

संभावित एकादश: तदिवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), ब्रायन बेनेट, डायन मायर्स, रयान बर्ल, सिकंदर रजा (कप्तान), टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, टिनोटेंडा मापोसा, ब्लेसिंग मुजारबानी और रिचर्ड नगारावा।

इस संयोजन के साथ नजर आ सकती है दक्षिण अफ्रीका की टीम

दक्षिण अफ्रीका इस विश्व कप में अब तक एक भी मुकाबला नहीं हारी है। ऐसे में वो अपने प्लेइंग इलेवन में ज्यादा बदलाव करने को नहीं देखेगी। टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कमाल की रही है। अनुभवी एडेन मार्करम और डेविड मिलर अपना शानदार फॉर्म जारी रखना चाहेंगे।

संभावित एकादश: एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन, डेवॉल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसेन, कॉर्बिन बॉश, कगिसो रबाडा, केशव महाराज और लुंगी एनगिडी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक भी मैच नहीं जीत पाई है

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच कुल 8 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 7 मैचों में दक्षिण अफ्रीका ने जीत दर्ज की है, जबकि जिम्बाब्वे को एक भी मुकाबले में सफलता नहीं मिल सकी है। एक मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है। टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच 2 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें एक मुकाबला दक्षिण अफ्रीका ने जीता, जबकि दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हुआ था।

डेरिल मिचेल चुने गए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजेंसी । दुबई

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने जनवरी 2026 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के डेरिल मिचेल को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार अपने नाम किया है। दूसरी तरफ महिला वर्ग में बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की सोभाना मोस्तारी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया।

जनवरी 2026 में ऐसा रहा मिचेल का प्रदर्शन

मिचेल ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने दूसरे वनडे में 131 रन की दमदार पारी खेली, जबकि आखिरी मैच में उनके बल्ले से 137 रन निकले। पूरी वनडे सीरीज में उन्होंने 176 की औसत से कुल 352 रन बनाए, जिसके चलते उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुना गया। इसके अलावा 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भी मिचेल ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए थे।

ऐसा रहा सूर्यकुमार और रूट का प्रदर्शन

रूट ने श्रीलंका में खेली गई वनडे सीरीज में कमाल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहले मैच में 61 रन की पारी खेली थी। दूसरे वनडे में उनके बल्ले से 75 रन निकले थे। आखिरी मैच में उन्होंने 111 रन बनाए थे। सिडनी टेस्ट की पहली पारी में उनके बल्ले से 160 रन निकले थे।

67 साल का इंतजार खत्म

- जम्मू-कश्मीर पहली बार बना रणजी ट्रॉफी का चैंपियन
- कर्नाटक को पारी की बढ़त के आधार पर हराया

एजेंसी । हुबली

श्रीनगर में 42 बार के चैंपियन मुंबई से पहले ही मैच में हार से जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी टूटे नहीं बल्कि दोगुना उत्साह के साथ फिर से मैदान पर लौटे। इसके बाद पारस डोगरा की इस टीम ने कोई मुकाबला नहीं गंवाया और शनिवार को रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतकर जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया। आठ बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब जीतकर टीम ने 67 साल का इंतजार खत्म किया। पांच दिन तक चले इस ऐतिहासिक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर के जांबाजों ने पहले दिन से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। दोपहर 2.10 पर जैसे ही कप्तान डोगरा ने दूसरी पारी घोषित की साथी खिलाड़ी खुशी से झूम उठे। जम्मू-कश्मीर ने सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 186 रन से आगे बढ़ाई। कामरान इकबाल और साहिल लोत्रा ने कर्नाटक को एक भी सफलता हासिल नहीं करने दी और नाबाद शतक लगाए। इससे जम्मू-कश्मीर के दबदबे का पता चलता है। जब मैच ड्रॉ करने पर सहमति बनी तब इकबाल 160 और लोत्रा 101 रन पर खेल रहे थे। इकबाल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट का दूसरा जबकि लोत्रा ने पहला शतक लगाया। जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन पर घोषित कर दी। उसने अपनी कुल बढ़त 633 रन कर दी थी। टीम ने पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद कर्नाटक को 293 रन पर आउट कर दिया था।

"सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।
- पारस डोगरा, कप्तान जम्मू-कश्मीर

"हम सभी जानते हैं कि चाहे आप कुछ भी करो फाइनल का दबाव रहेगा। हमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए और उन्होंने हमसे कहीं बेहतर क्रिकेट खेली।
-देवदत्त पडिक्कल, कप्तान कर्नाटक

नबी प्लेयर ऑफ द सीरीज

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी रफ्तार से एक खूब धमाल मचाया। उन्होंने 12.56 की औसत और 2.65 की इकोनॉमी से 60 विकेट चटकाए। यह टूर्नामेंट के इतिहास में किसी गेंदबाज का सातवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान फाइनल सहित सात बार पारी में पांच विकेट भी झटके। इसके अलावा 245 रन की बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज के अवॉर्ड से नवाजा गया।

पारस 10 हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी

जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा रणजी के इतिहास में 10 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। वह 153 मैचों में 47.97 की औसत से 10603 रन बना चुके हैं। इसमें 34 शतक हैं जो दूसरे सर्वाधिक हैं। उनसे अधिक रन और शतक वसीम जाफर (12038 रन और 41 शतक) ने बनाए हैं। इन दोनों के अलावा कोई भी दस हजार का आंकड़ा नहीं छु पाया है।

सलमान की पाक के टी-20 कप्तान पद से होगी छुट्टी

कराची। पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा को टी-20 विश्व कप में टीम के अभियान के बाद पद से हटा दिया जाएगा। आगा के अलावा बाबर आजम, उस्मान खान और कुछ अन्य खिलाड़ियों का टी-20 करियर भी खत्म हो सकता है। कप्तानी की दौड़ में शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी के नामों पर विचार किया जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र के अनुसार अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस वैश्विक आयोजन में टीम के प्रदर्शन से 'असंतुष्ट' हैं। सूत्र ने शनिवार को कहा, नकवी बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। क्योंकि इस बार उन्हें चयनकर्ताओं, टीम प्रबंधन और बोर्ड में उनके करीबी सहयोगियों ने भरोसा दिलाया था कि टीम विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेगी। नकवी ने आगा को टी-20 कप्तानी से हटाने का मन बना लिया है। इसके साथ ही वह मुख्य कोच माइक हेसन और चयनकर्ताओं के साथ कुछ खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर स्पष्ट चर्चा करेंगे।

बॉ ली वु ड

तापसी ने तोड़ी चुप्पी, बताया इंडस्ट्री का अनदेखा सच

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं और हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की अंदरूनी सच्चाई पर खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में तापसी ने खुलासा किया कि उन्हें कई बार सिर्फ इसलिए फिल्मों से बाहर कर दिया गया क्योंकि फिल्म के मुख्य अभिनेता उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। तापसी ने कहा कि इंडस्ट्री में आज भी कई जगह कास्टिंग पर हीरो का प्रभाव हावी रहता है। उन्होंने बताया, ₹मुझे सीधे तौर पर कभी नहीं बताया गया, लेकिन कई बार ऐसा महसूस हुआ कि मुझे इसलिए हटाया गया क्योंकि हीरो मुझे कास्ट नहीं करना चाहता था।₹ उन्होंने आगे कहा कि अगर फिल्म का निर्देशक मजबूत और प्रभावशाली न हो, तो सेट पर हीरो की ही चलती है। उनका मानना है, ₹जहां निर्देशक बड़ा नाम नहीं होता, वहां कास्टिंग और अन्य फैसलों में हीरो का दबदबा ज्यादा होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी इन दिनों फिल्म अस्सी को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। फिल्म को समीक्षकों ने सराहा, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। एक सप्ताह में फिल्म ने लगभग 7 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

डिजिटल स्पेस में राजपाल यादव की एंट्री, यूट्यूब चैनल शुरू

बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता राजपाल यादव ने अपने जीवन के चुनौतीपूर्ण दौर के बीच एक नई शुरुआत की है। चेक बाउंस मामले में अंतरिम जमानत मिलने के तुरंत बाद उन्होंने अपना आधिकारिक यूट्यूब चैनल 'राजपाल नौरंग यादव' लॉन्च किया है। एक भावुक वीडियो संदेश के जरिए अभिनेता ने अपने प्रशंसकों का आभार जताते हुए इस नए डिजिटल सफर की घोषणा की। राजपाल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में कहा कि वह लंबे समय से इस नई शुरुआत की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने फैंस से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि उनका यह यूट्यूब चैनल हर उम्र के दर्शकों के लिए साफ-सुथरा और पारिवारिक मनोरंजन लेकर आएगा। अभिनेता ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मंच सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उनके सभी चाहने वालों का है। उन्होंने कहा कि उनके चैनल का उद्देश्य दर्शकों को सकारात्मक और 'स्वस्थ मनोरंजन' प्रदान करना है, जिससे उन्हें सुकून और खुशी का अनुभव हो। राजपाल ने अपने प्रशंसकों से चैनल को सब्सक्राइब और ज्यादा से ज्यादा शेयर करने की अपील भी की। हालांकि, इस नई शुरुआत के बीच उनका पुराना कानूनी विवाद अभी भी जारी है। यह मामला साल 2010 का है, जब फिल्म 'अता पता लापता' के निर्माण के दौरान उन्होंने एक कारोबारी से ऋण लिया था। बाद में कर्ज से जुड़े चेक बाउंस होने पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जो अब तक चल रहा है। गौरतलब है कि राजपाल यादव ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'दिल क्या करे' से की थी और अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई।

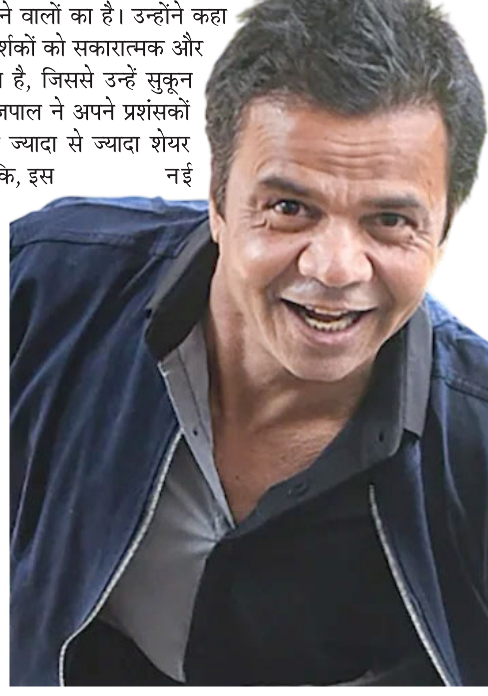

शादी के बीच 'राणाबाली' का नया गाना 'ओ मेरे साजन' रिलीज

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय सितारे विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनके प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दोनों की बहुप्रतीक्षित फिल्म राणाबाली का नया रोमांटिक गाना 'ओ मेरे साजन' रिलीज कर दिया गया है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के निर्माताओं ने खास अंदाज में इस गाने को रिलीज करते हुए इसे नवविवाहित जोड़े के लिए एक भावनात्मक तोहफा बताया है। गाने में विजय और रश्मिका के किरदारों की शादी और उसके बाद के प्रेमपूर्ण पलों को खूबसूरती से फिल्माया गया है। पारंपरिक परिधानों में सजे दोनों सितारों की शाही एंट्री और शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को खासा आकर्षित कर रही है। गाने की शुरुआत शादी की तैयारियों से होती है, जहां रश्मिका का किरदार जायम्मा और विजय का किरदार राणाबाली भावनात्मक और रोमांटिक अंदाज में नजर आते हैं। पूरे वीडियो में पारिवारिक माहौल, उत्सव और प्रेम की झलकियां कहानी को और प्रभावशाली बनाती हैं। वीडियो के अंत में मेकर्स ने इस जोड़ी की नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। गौरतलब है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना लगभग सात साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। फिल्म 'राणाबाली' सितंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। गाने के रिलीज के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

गुजरात विधानसभा में 'वोटर लिस्ट' पर संग्राम

▶▶ लाखों नाम हटाने की साजिश: विपक्ष

▶▶ सब नियम से हुआ: सरकार

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट सुधार अभियान को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी 'चुनावी जंग' छिड़ गई है। मुद्दा केवल पैसों के खर्च का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद यानी 'वोट देने के अधिकार' पर आकर टिक गया है। कांग्रेस और आप (AAP) ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि भाजपा ने इसे संवैधानिक प्रक्रिया बताया है।

'वोटर लिस्ट से नाम गायब करने का खेल'

विपक्ष (कांग्रेस और आप) ने आरोप लगाया कि राज्य में 'फॉर्म-7' (नाम हटाने का आवेदन) का गलत इस्तेमाल हुआ है। विधायकों का दावा है कि हजारों लोगों के नाम हटाने के लिए उनकी जानकारी के बिना ही आवेदन भर दिए गए। कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने सवाल उठाया कि अगर प्रशासन के स्तर पर धांधली हो रही है, तो विधानसभा चुप क्यों रहे? जिग्नेश मेवाणी ने इसे घुमंतू समुदायों के हक पर डाका बताया।

स्पीकर का 'बीच का रास्ता'

विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद एक रेखा खींच दी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव आयोग के संवैधानिक अधिकारों पर कोई बहस नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने प्रशासनिक कमियों और खर्च से जुड़े मुद्दों पर सीमित चर्चा की इजाजत दी। उन्होंने सदस्यों को चेतावनी दी कि चर्चा के दौरान चुनाव आयोग की गरिमा का ध्यान रखा जाए।

अर्जुन मोढवाडिया का 'प्वाइंट ऑफ ऑर्डर'

जब बहस ने जोर पकड़ा, तो मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने संविधान का हवाला देते हुए मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और संवैधानिक संस्था है। अनुच्छेद 324 के तहत वोटर लिस्ट बनाना आयोग का काम है, इसलिए विधानसभा में उसके कामकाज पर सवाल नहीं उठाए जा सकते। भाजपा विधायक रमणलाल वोरा ने भी सुर में सुर मिलाते हुए इसे आयोग की 'स्वायत्तता' का मुद्दा बताया। विपक्ष का तर्क सीधा था— अगर SIR (विशेष पुनरीक्षण) अभियान पर पैसा राज्य के खजाने से खर्च हो रहा है, तो विधायकों को उस खर्च की समीक्षा करने का पूरा हक है। विधायक शैलेष परमार ने कहा कि हम चुनाव आयोग की आजादी पर सवाल नहीं उठा रहे, बल्कि उस प्रशासनिक मशीनरी पर सवाल उठा रहे हैं जो टैक्सपेयर्स के पैसों से यह काम कर रही है।

सरकार की सफाई और बिल पास

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने विपक्ष के डर को दूर करते हुए कहा कि सिर्फ फॉर्म-7 भर देने से किसी का नाम लिस्ट से नहीं कट जाता। इसके लिए बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) घर-घर जाकर जांच करते हैं और पूरी सुनवाई के बाद ही फैसला होता है। लंबी नोकझोंक के बाद, विपक्ष के विरोध के बावजूद 'अनुपूरक विनियोग विधेयक 2026' ध्वनिमत से पास हो गया।

प.बंगाल में 5.46 लाख वोटर्स के नाम कटे

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आंकड़े जारी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7.04 करोड़ से अधिक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी।

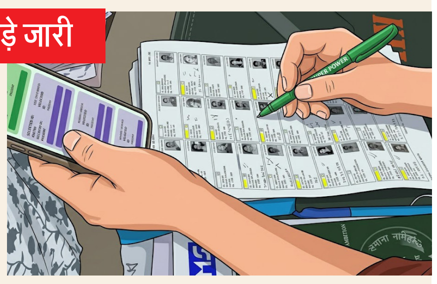

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने क्या बताया?

अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के जरिये 5 .46 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए। वहीं, फॉर्म-6 और फॉर्म 6-ए के जरिये 1.82 लाख से ज्यादा नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से अधिक गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हो सके।

पटाखा फैक्टरी में धमाका

एजेंसी । काकीनाडा

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 18 लोगों के हताहत होने की खबर है। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि धमाके में घायल हुए छह लोगों की हालत गंभीर है।

सरकार क्या बोली?

पटाखा फैक्टरी में धमाके पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में नायडू ने लिखा, काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके की खबर विचलित करने वाली है। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हादसे के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है और उन्हें पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है।

धमाके के समय फैक्टरी में कितने लोग मौजूद थे?

सीएम नायडू ने कहा, राहत और बचाव कार्यों पर सरकार नजर रख रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, जब धमाका हुआ उस समय पटाखा बनाने वाली इस फैक्टरी में करीब 20 लोग काम कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

विमान के दूसरे दिन भी नेपाल नहीं पहुंचने पर यात्रियों का हंगामा

बेंगलुरु। एयर इंडिया एक्सप्रेस की कथित लापरवाही और कुप्रबंधन को लेकर बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नेपाल जाने वाले यात्रियों ने शुक्रवार को हंगामा किया। विरोध प्रदर्शन कर रहे यात्री विमानन कंपनी से जवाबदेही और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। एयरलाइन नहीं दे रही स्पष्ट जानकारी एयरलाइन की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। यात्रियों ने बताया कि गुरुवार सुबह 10 :30 बजे बेंगलुरु से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान काठमांडू में उतरने के बजाय वापस लौट आया और यात्रियों से इसका कारण भी स्पष्ट नहीं किया गया।

मेघालय में मिली बिना आंखों वाली लाल मछली

शिलॉन्ग। असम और मेघालय की सीमा पर स्थित गारो गांव में वैज्ञानिकों को जमीन के नीचे रहने वाली एक दुर्लभ अंधी मछली मिली है, जिसे 'गिचिक नाकाना' नाम दिया गया है। यह मछली किसी गुफा में नहीं, बल्कि जमीन के नीचे चट्टानों के बीच जमा पानी में मिली है। महज दो सेंटीमीटर लंबी यह मछली पारदर्शी है और इसके शरीर में बहता खून साफ दिखाई देता है। इस मछली के सिर पर खोपड़ी की हड्डी नहीं है, इसका दिमाग सिर्फ त्वचा से ढका है। जेनेटिक जांच से पता चला है कि यह प्रजाति करीब 2 से 4 करोड़ साल पुरानी है।

एक किलोमीटर दूर से भी देख सकेंगे दीवार के पार

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा एजेंसी (डीएआरपीए) एक ऐसी तकनीक 'जेना' विकसित कर रही है, जो दीवारों के पार और बंद कमरों के अंदर देखने की शक्ति देगी। क्यों खास है तकनीक : इसके लिए खास तरह के स्मार्ट एल्गोरिदम पर काम चल रहा है, जो लगभग एक किलोमीटर की दूरी से भी किसी इमारत या इंसान की छिपी हुई बनावट का अंदाजा लगा सकते हैं। इस तकनीक की खासियत यह है कि इसे किसी साफ तस्वीर की जरूरत नहीं होती। यह अधूरे और धुंधले डाटा को 'पैटर्न रिकग्निशन' और फॉर्मूलों की मदद से स्पष्ट तस्वीर तैयार कर देती है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे बोत्सवाना से नौ चीते

श्योपुर। बोत्सवाना से नौ चीतों को हवाई मार्ग से शनिवार को मध्यप्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया। इसके साथ ही देश में चीता पुनर्वास कार्यक्रम के तहत चीतों की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने छह मादा और तीन नर चीतों को पृथकवास (क्वारंटीन) के लिए बाड़े में छोड़ा। श्योपुर की जिला जनसंपर्क अधिकारी अवंतिका श्रीवास्तव ने बताया कि अफ्रीका से चीतों का यह तीसरा समूह शनिवार को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के विमान से ग्वालियर पहुंचा।

8 करोड़ बेटियों को लगेगा टीका

कैंसर के खिलाफ भारत का 'सुरक्षा कवच'

पीएम मोदी ने अजमेर से शुरू किया एचपीवी टीकाकरण

एजेंसी । अजमेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से 9 से 14 साल तक की लड़कियों में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। 1 इस पहल का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर को रोकना है, जो महिलाओं में कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 16,600 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। उन्होंने 21,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए।

इन परियोजनाओं की भी दी सौगात

प्रधानमंत्री ने 16,686 करोड़ की लागत की 43 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 8,554 करोड़ की 34 परियोजनाएं शहरी विकास, PWD, जल संसाधन एवं उद्योग से जुड़ी हुई हैं। वहीं, 8,132 करोड़ रुपये की 9 राष्ट्रीय राजमार्ग और ऊर्जा परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में 21,800 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत कई मंत्री मौजूद रहे।

3 चरणों में लगेंगे 8 करोड़ लड़कियों को टीके

रिपोर्ट के मुताबिक, ये टीकाकरण अभियान 3 चरणों में चलाया जाएगा, जिसमें 9-14 वर्ष की आयु की लड़कियां शामिल होंगी। अधिकारी ने बताया कि लगभग 8 करोड़ लड़कियां वैक्सीन के लिए पात्र होंगी। पहले साल के दौरान कम से कम 2.6 करोड़ लड़कियों को वैक्सीन लगेगी। अगले साल 9 साल की 50 लाख से एक करोड़ लड़कियां बढ़ जाएंगी, इन्हें दूसरे और तीसरे साल में वैक्सीन लगाई जाएगी। ये अभियान स्कूलों और मौजूदा टीकाकरण केंद्रों के जरिए चलाया जाएगा।

मणिपुर के राज्यपाल ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की

एजेंसी । नई दिल्ली

मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को मुलाकात की और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच लंबे समय तक चली हिंसा के बाद लागू एक साल के राष्ट्रपति शासन को समाप्त करते हुए फरवरी की शुरुआत में नई सरकार ने कार्यभार संभाला। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल अवैध हथियारों को जब्त करने और अफीम के खेतों को नष्ट करने के लिए अभियान चला रहे हैं जबकि सरकार समुदायों के बीच तनाव कम करने का प्रयास कर रही है। मणिपुर में मई 2023 से मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़की हुई है। इस हिंसा में कुकी और मेइती दोनों समुदायों के सदस्यों के साथ-साथ सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 260 लोग मारे गए जबकि हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

पाकिस्तान का 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक'

पाकिस्तान का दावा : 331 लड़ाके ढेर; 22 सीमा चौकियों पर कब्जा

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच छिड़ी 'जंग' अब और भी भयावह रूप ले चुकी है। शनिवार को पाकिस्तानी अधिकारियों ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के ताजा आंकड़े जारी किए, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव की गवाही दे रहे हैं। पाकिस्तान ने इस बार न सिर्फ लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया है, बल्कि अफगान सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुँचाने की बात भी कही है।

तबाही का मंजर

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने शनिवार को मीडिया के सामने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में अब तक 331 अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और लगभग 500 अन्य घायल हुए हैं।

अमेरिका का पाक को 'खुला समर्थन'

इस पूरे मामले में एक बड़ा मोड़ तब आया जब अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान के 'आत्मरक्षा के अधिकार' का समर्थन कर दिया। अमेरिकी उप विदेश मंत्री एलिसन हुकर ने पाकिस्तान की विदेश मंत्री आमना बलूच से बात कर संवेदना व्यक्त की और संकेत दिया कि अमेरिका इस आतंकवाद विरोधी अभियान में पाकिस्तान के साथ खड़ा है।

सैन्य ठिकानों और टैंकों का 'कब्रिस्तान'

पाकिस्तानी सेना ने इस बार सिर्फ इंसानी जानों का ही नुकसान नहीं किया, बल्कि अफगान तालिबान की कमर तोड़ने का दावा भी किया है। तरार के मुताबिक 104 सैन्य चौकियाँ पूरी तरह तबाह कर दी गई हैं। 163 टैंक और बख्तरबंद गाड़ियाँ मलबे में तब्दील हो चुकी हैं। 22 सीमा चौकियों पर अब पाकिस्तानी फौज का नियंत्रण है। हवाई हमलों में 37 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इस खूनी संघर्ष की जड़ में टीटीपी और अन्य आतंकी समूह हैं। पाकिस्तान का सीधा आरोप है कि अफगान तालिबान अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ होने दे रहा है। वहीं, अफगानिस्तान इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रहा है। तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक नाकामियों का ठीकरा उन पर फोड़ने के बजाय अपने देश के विद्रोहियों से बातचीत करे।

ड्रग, अवैध हथियारों की तस्करी के गिरोहों का भंडाफोड़

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने सीमा पार से ड्रग और अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले दो संगठित गिरोहों का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया और 5.438 किलोग्राम हेरोइन, तीन आधुनिक पिस्तौल, 34 कारतूस और मादक पदार्थ से अर्जित 4500 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक

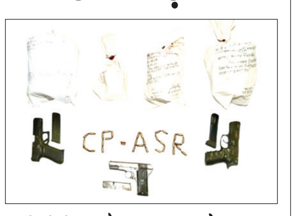

(डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे।

बीते साल भारत घूमने कम आए विदेशी मेहमान

▶▶ 9 .4 फीसदी की कमी विदेशी पर्यटकों में

▶▶ बांग्लादेश के साथ तनाव असली वजह

एजेंसी । नई दिल्ली

वर्ष 2025 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या में 9.4% की कमी दर्ज की गई है, जिससे यह आंकड़ा घटकर 90.2 लाख रह गया। इस गिरावट का सबसे प्रमुख कारण पड़ोसी देश बांग्लादेश

के साथ बढ़ते राजनयिक तनाव और सुरक्षा कारणों से वीजा जारी करने पर लगाई गई पाबंदियां रहीं। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बांग्लादेश से जहां 17.5 लाख पर्यटक आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या 73% गिरकर मात्र 4.66 लाख रह गई।

भारतीयों के लिए विदेश यात्रा का बढ़ता क्रेज

विदेशी आवक में कमी के विपरीत, भारतीयों की विदेश यात्रा के शौक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2025 में कुल 327 .1 लाख भारतीयों ने विदेश यात्राएं कीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5 .9% अधिक है। भारतीय यात्रियों की पहली पसंद संयुक्त अरब अमीरात (UAE) रहा, जहां कुल यात्रियों के 26 .3% लोग पहुंचे।

अंग्रेजों के जमाने के नियमों से बाहर निकले सरकार : सुप्रीम कोर्ट

▶▶ तटरक्षक बल की रिटायरमेंट उम्र पर पुनर्विचार के निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय तटरक्षक बल और सशस्त्र बलों के जवानों की सेवानिवृत्ति की उम्र और सेवा शर्तों को लेकर केंद्र सरकार को आईना दिखाया है। अदालत का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल और आधुनिक युग में सरकार को 'ब्रिटिश काल' की पुरानी सोच और रूढ़िवादी नियमों से बाहर निकलना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। कोर्ट ने कहा कि तटरक्षक बल जैसे उच्च कुशल और एडवांस फोर्स के लिए आप अभी भी अंग्रेजों के जमाने के मापदंडों पर अटके हुए हैं। आज के समय में इन बलों की भूमिका बहुत बदल गई है और सरकार को अपनी 'रूढ़िवादी' सोच को बदलकर आधुनिक जरूरतों के हिसाब से नियम बनाने चाहिए।

57 बनाम 60 साल का विवाद

पूरा मामला तटरक्षक बल के नियम 20(1) और 20(2) से जुड़ा है। पुराने नियमों के मुताबिक, कमांडेंट और उससे नीचे के अधिकारी 57 साल में रिटायर हो जाते थे, जबकि उनसे ऊपर के रैंक वाले अधिकारी 60 साल तक सेवा में रहते थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस भेदभाव को खत्म कर सबके लिए 60 साल की उम्र तय कर दी थी, जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है और सरकार से इस पर गहराई से सोचने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बहुत बड़ी बात कही कि इतने उन्नत और तकनीकी कौशल वाले बल में 'अनुभव' की कीमत सबसे ज्यादा होती है।

खबर पत्तर 2001 के बाद इस साल की फरवरी में हुई सबसे कम बारिश

मार्च से मई तक सामान्य से अधिक रहेगा तापमान

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस साल फरवरी में पूरे देश में वर्षा 2001 के बाद सबसे कम दर्ज की गई। साथ ही फरवरी के दौरान देश में कहीं भी शीत लहर की स्थिति नहीं बनी और दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा।

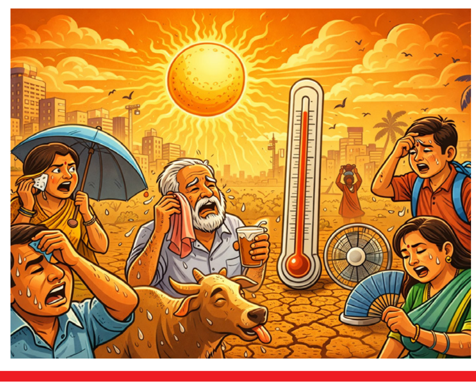

आने वाले महीनों को लेकर क्या संकेत?

आईएमडी ने अपने मासिक पूर्वानुमान में कहा है कि मार्च से मई के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक हीटवेव (लू) के दिन देखने को मिल सकते हैं। पश्चिम राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों सहित कई क्षेत्रों में लू का खतरा ज्यादा रहने की आशंका है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मार्च-अप्रैल-मई के मौसम में बढ़ती गर्मी सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संसाधनों, बिजली की मांग और आवश्यक सेवाओं पर दबाव डाल सकती है।

मार्च में बारिश को लेकर क्या अनुमान?

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मार्च में कई हिस्सों में तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रह सकता है, जबकि पूर्वोत्तर, पूर्वी और कुछ मध्य व प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में यह सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। देशभर में औसत वर्षा सामान्य रहने का अनुमान है, हालांकि कुछ इलाकों में कम बारिश हो सकती है। फिलहाल कमजोर ला नीना की स्थिति बनी हुई है।